

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 104

मुर्ना, गुरूवार 23 जुलाई 2026

पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹



सन्निधाधाना के गांवों में पेयजल स्रोतों का क्लोरिनेशन, जागरूकता रैली निकाली

पेज : 03



आध्यात्मिक खोज की शांत वापसी: बाजार से भीतर की ओर लौटना मनुष्य

पेज : 04



वायरल वीडियो पर दतिया उपचुनाव में सियासत तेज

पेज : 06



राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पर किया धरना-प्रदर्शन

पेज : 07

समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप विकसित हो सरकार की कार्यप्रणाली: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार कहा कि सभी सुधारों के केंद्र में नागरिकों का कल्याण होना चाहिए और सरकार की कार्यप्रणाली समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप विकसित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर सचिवों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में 'विकसित भारत' के लक्ष्यों को पाने की दिशा में ग्रामीण विकास, कृषि, सामाजिक कल्याण और संबंधित क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुधारों का उद्देश्य केवल सरकारी व्यवस्था को बेहतर बनाना नहीं, बल्कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा को गति देना है। उन्होंने मंत्रालयों और विभागों की उभरती आवश्यकताओं का व्यापक आकलन करने तथा शासन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य को जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर बल

देते हुए कहा कि इस अभियान की सबसे मजबूत नींव देश का युवा वर्ग होना चाहिए। उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय बढ़ाने और विभागीय सीमाओं को समाप्त कर 'होल-ऑफ-गवर्नमेंट' दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता बताई। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं में

बढ़ावा देकर भारत को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयार करना चाहिए, ताकि देश वैश्विक खेल केंद्र के रूप में उभर सके। उन्होंने खेल क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप आधारित नवाचार को भी प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना जैसी पहलों को किसानों के बीच व्यापक स्तर पर अपनाने से कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर कौशल की मांग का आकलन करने की जरूरत भी बताई, ताकि भारतीय युवाओं को अंतरराष्ट्रीय रोजगार अवसरों के अनुरूप तैयार किया जा सके।

बढ़ते नशे की समस्या पर चिंता जताते हुए इससे निपटने के लिए संस्थागत तंत्र विकसित करने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने खेल क्षेत्र के विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने पर भी जोर दिया और कहा कि खेल पर्यटन को

धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, छात्रों पर कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री माफी मांगें : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने, पेपर लीक मामले पर जवाबदेही तय न करने और छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 152 से अधिक प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, जिससे 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा, छात्रों पर बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से छात्रों से माफी की मांग की।

राहुल गांधी ने यहां कांग्रेस नए मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में 20 जुलाई की छात्रों के 'संसद चलो' मार्च और जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन से जुड़े वीडियो और प्रस्तुति दिखाते हुए कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस और सुरक्षाबलों ने बर्बर कार्रवाई की। छात्रों को पीटा गया, घसीटा गया और उनकी जायज मांगों को सुनने के बजाय दमन का रास्ता अपनाया गया।

राहुल गांधी ने कहा कि देश में शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है और सरकार छात्रों की समस्याओं के प्रति बिस्कुल संवेदनशील नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार होने वाले पेपर लीक, परीक्षाओं में अनियमितताओं और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी ने करोड़ों युवाओं का भविष्य दांव पर लगा दिया है। इसके बावजूद किसी भी बड़े मामले

में दोषियों को सजा नहीं मिली। राहुल गांधी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में 152 से अधिक प्रश्नपत्र लीक हुए हैं। इन घटनाओं का सीधा असर 7.5 करोड़ छात्रों और उनके परिवारों पर पड़ा है। उन्होंने कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में भी अब तक किसी को प्रभावी सजा नहीं मिली और सरकार लगातार जवाबदेही से बच रही है। उन्होंने कहा कि देश के परिवार अपने बच्चों की शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं पर भारी आर्थिक बोझ उठा रहे हैं। राहुल गांधी के अनुसार, भारत सरकार का वार्षिक शिक्षा बजट लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये है, जबकि भारतीय परिवार केवल नीट परीक्षा की तैयारी और उससे जुड़े खर्चों पर लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। इसके बावजूद सरकार परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में विफल रही है।

संक्षिप्त समाचार

समुद्र के रास्ते दुबई पहुंचा अग्र का दशहरी, लंगड़ा आम

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। भारत के ताजा आम निर्यात क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल हुई है। उत्तर प्रदेश के अमरोहा से 12.5 टन प्रीमियम दशहरी और लंगड़ा आम पहली बार 25 दिनों की लंबी समुद्री यात्रा के बाद सफलतापूर्वक दुबई पहुंचाए गए। यह निर्यात आईसीएआर-केंद्रीय उद्योग बागवानी संस्थान, लखनऊ और एग्रीड द्वारा संयुक्त रूप से विकसित समुद्री निर्यात प्रोटोकॉल के तहत किया गया। आम की खेप का निर्यात अमरोहा की शहजाज एक्सपोर्ट ने अताशी ग्लोबल के सहयोग से यूएई की प्रमुख टिेल चेन लुलु ग्रुप को किया। पूरे अभियान में आईसीएआर-सीआईएसएच ने तकनीकी मार्गदर्शन और एग्रीड ने आवश्यक सहयोग प्रदान किया। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि 22 जून 2026 को तोड़े गए आमों की वैज्ञानिक तरीके से प्रेडिश और पैकिंग की गई। उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए आईसीएआर-सीआईएसएच द्वारा विकसित 'मेटावॉश' तकनीक का उपयोग किया गया। इसके बाद आमों को 40 फुट के रेफ्रिजरेटेड कंटेनर में लगातार कोल्ड चेन के साथ समुद्री मार्ग से दुबई भेजा गया। परिचामी विश्लेष के कारण परिवहन में देरी होने से खेप 17 जुलाई को यानी 25 दिन बाद दुबई पहुंची। इसके बावजूद लगभग 90 प्रतिशत आम अच्छी और बिक्री योग्य स्थिति में पाए गए, जिससे इस तकनीक की सफलता साबित हुई।

अरुणाचल : प्रशासन ने हवाई सेवा से बाढ़ग्रस्त इलाकों में जरूरी सामान पहुंचाना शुरू किया

इटानगर, 22 जुलाई (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिला प्रशासन ने बुधवार से निलिंग, लिंगामद और अपर गिबा के दूर-दराज गांव और बाढ़ से प्रभावित इलाकों में जरूरी खाने-पीने का सामान हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर से पहुंचाना (एयरलिफ्टिंग) शुरू कर दिया है। हाल ही में मॉन्सून की बारिश से सड़कें और पुल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिससे इन इलाकों का संपर्क टूट गया था; प्रशासन यह पक्का कर रहा है कि यहां रहने वाले लोगों को सामान की सप्लाई बिना किसी रुकावट के मिलती रहे। भारी बारिश के बाद, न्यो और जाओ नदियों में कटाव के कारण निलिंग और अपर गिबा सर्कल को जोड़ने वाली सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। जाओ नदी पर बना पुल भी बह गया, जिससे अपर गिबा के 22 गांव जिला मुख्यालय से पूरी तरह कट गए।

चंडीगढ़ में ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक का दूसरा दिन, डिजिटल हेल्थ और महामारी तैयारियों पर मंथन

- भारत ने दुनिया के सामने रखी समग्र स्वास्थ्य एवं पारंपरिक चिकित्सा की समृद्ध विरासत

चंडीगढ़, 22 जुलाई (हि.स.)। चंडीगढ़ में 16वीं ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रिस्तरीय बैठक के दूसरे दिन बुधवार को सदस्य देशों के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों ने डिजिटल स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, महामारी से निपटने की तैयारियों और मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियों के निर्माण पर विस्तृत चर्चा की। सचिव स्तर की बैठकों में ब्रिक्स देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और आधुनिक तकनीक के माध्यम से चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाने पर जोर दिया गया।

बैठक के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने ब्रिक्स देशों से आए वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ विशेष योग सत्र में हिस्सा लिया। करीब 45 मिनट तक चले योग प्रोटोकॉल के माध्यम से विदेशी

मेहमानों को भारत की प्राचीन योग परंपरा और समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण से परिचित कराया गया। योग सत्र ने सदस्य देशों के बीच मित्रता और सहयोग की भावना को भी मजबूत किया। बैठक में योग को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक और भावनात्मक

पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा प्रणालियों के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर विचार रखा।

ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने बैठक स्थल पर बनाए गए आयुष जेन का भी दौरा किया। यहां उन्हें आयुष आहार, योग, वेलनेस, हर्बल विरासत, आयुर्वेदिक उत्पादों तथा अनुसंधान और नवाचार से जुड़ी पहलों की जानकारी दी गई। भारत ने इस प्रदर्शनी के माध्यम से अपनी प्राचीन चिकित्सा परंपरा को आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ जोड़ने का मॉडल प्रस्तुत किया।

प्रतिनिधियों ने भारत के डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम, आयुष पब्लिसिन और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की फूड सेफ्टी वैन का भी निरीक्षण किया।

युवाओं को राजनीतिक औजार बना रहा विपक्ष, छात्र आकांक्षाओं को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शनों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। संसद सत्र के दौरान सड़क पर समाधान खोजने का प्रयास अनुचित है।

राजनाथ सिंह ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार विद्यार्थियों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। छात्रों की हर

धर्मित करने का असफल प्रयास है। युवाओं की भावनाओं और चिंताओं के प्रति सरकार पूरी तरह संवेदनशील है। संसद का सत्र चल रहा है और सरकार ने हर मुद्दे पर सार्थक बहस करने की बात कही है लेकिन विपक्ष सड़क पर समाधान खोजने का अनुचित प्रयास कर रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में मुद्दों पर चर्चा करने की जगह संसद भवन है, जहां विपक्ष अपनी बात कहने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि यदि वे गंभीर हैं तो संसद की कार्यवाही में व्यवधान न उत्पन्न करें और सभी मुद्दों पर संसद में ही देश का ध्यान आकर्षित करें।

नीट पेपर लीक को लेकर राज्यसभा में हंगामा, सरकार बोली- हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को राज्यसभा में नीट पेपर लीक को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया।

दोपहर बाद कार्यवाही शुरू होने पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार शुरू से ही नीट पेपर लीक सहित होके मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने सवाल उठया कि जब सरकार चर्चा के लिए तैयार है तो विपक्ष नारेबाजी कर सदन की कार्यवाही क्यों बाधित कर रहा है। वहीं,

सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्ड ने भी कहा कि सरकार नीट पेपर लीक समेत हर मुद्दे पर बहस के लिए तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अपने विरोध-प्रदर्शन के जरिए सदन की गरिमा का अनादर

कर रहा है। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि संसद में निष्पक्ष चर्चा के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। इस पर नियम 267 के तहत चर्चा करने की मांग की। इस पर उपसभापति हरिवंश ने नियम 267 के तहत दिए गए नोटिसों पर कहा कि इस नियम का इस्तेमाल केवल 'दुर्लभ' से 'दुर्लभ' परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए। इस पर डीएमके सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि देश में मौजूदा हालात ऐसे ही 'दुर्लभ' है। लगातार हंगामे के बीच उपसभापति ने सदन की कार्यवाही दोपहर 3 बजे तक स्थगित कर दी।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुर्ना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुर्ना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेन्द्र सिंह "सीताराम जी ", मुर्ना, मोबाइल 6261839476 RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोबा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुर्ना ही होगा डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com

cmymk

+

+

cmymk

अपना घर आश्रम : सेवा, समर्पण और मानवता का अद्भुत उदाहरण, मुरैना में भी बनेगा ‘अपना घर’



गिर्जेश गर्ग पत्रकार

मुरैना। वर्ष 2000 में डॉ. बी.एम . भारद्वाज एवं उनकी पत्नी श्रीमती माधुरी भारद्वाज द्वारा राजस्थान के भरतपुर से शुरू की गई ‘अपना घर’ आश्रम आज सेवा और मानवता का एक विशाल अभियान बन चुकी है। भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ नेपाल तक संस्था का विस्तार हो चुका है तथा वर्तमान में कुल 72 ‘अपना घर’ आश्रम संचालित हो रहे हैं।

भारतपुर स्थित संस्था का मुख्य परिसर लगभग 201 एकड़ भूमि में फैला हुआ है, जहां करीब 7,000 प्रभुजी (असहाय, निराश्रित एवं बीमारजन) निवास करते हैं। इनमें लगभग 3,000 महिलाएं भी शामिल हैं। यहां प्रभुजियों के लिए रहने, भोजन, उपचार, अस्पताल तथा अंतिम संस्कार तक की सभी व्यवस्थाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हैं।

संस्था का प्रतिदिन का संचालन खर्च लगभग 15 लाख रुपये है। संस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि जब भी आर्थिक आवश्यकता होती है, तो प्रभुजी के नाम एक चिट्ठी लिखी जाती है और आवश्यकताओं के अनुसार उसे प्राप्त कर देता है।

ऐसा ही एक प्रेरणादायक प्रसंग अपना घर आश्रम बाड़ी में देखने को मिला। संस्था द्वारा 35 लाख रुपये की आवश्यकता दर्शाते हुए प्रभुजी के नाम चिट्ठी लिखी गई थी। अगले दिन एक दानदाता 31 लाख रुपये देने पहुंचे। जब उन्हें बताया गया कि चिट्ठी में 35 लाख रुपये की आवश्यकता लिखी गई है, तो उनकी पत्नी ने कहा कि वे 31 लाख नहीं, बल्कि पूरे 35 लाख रुपये ही दान करेंगे। इसके बाद उन्होंने पूरी राशि दान कर संस्था की आवश्यकता पूरी कर दी।

देशभर में संस्था के विस्तार के क्रम में



वर्तमान में 9 नए ‘अपना घर’ बनाने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो चुकी है।

इसी क्रम में हाल ही में आनंदी महल बैंक्वेट्स , मुरैना में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में संस्था के संस्थापक डॉ. बी.एम . भारद्वाज ने मंच से मुरैना में भी ‘अपना घर आश्रम ’ स्थापित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुरैना के सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर जी भी उपस्थित थे।

डॉ. भारद्वाज के आह्वान के मात्र 10 मिनट बाद समाजसेविका श्रीमती अंगुरी देवी गोयल, पत्नी स्वर्गीय पुरुषोत्तम दास गोयल ने अपने स्वामित्व की दो बीघा भूमि ‘अपना घर आश्रम ’ निर्माण के लिए ग्वालियर रोड पर दान देने की घोषणा कर दी। इस घोषणा के साथ ही भूमि की आवश्यकता पूरी हो गई। इसके बाद कई अन्य दानदाताओं ने भी आर्थिक सहयोग देने की घोषणा की।

वर्तमान में मुरैना ‘अपना घर’ संस्था के अध्यक्ष श्री मोहनलाल सिंघल, सचिव श्री मुकेश गोयल एवं समस्त कार्यकारिणी संस्था के निर्माण एवं सहयोगियों का संचालन कर रहे हैं। शीघ्र ही मुरैना में भी ‘अपना घर’ का निर्माण होगा, जहां

असहाय, निराश्रित एवं बीमार लोगों को सम्मानपूर्वक आश्रय और उपचार की सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर अग्रवाल संघ द्वारा भूमि दानदाता श्रीमती अंगुरी देवी गोयल का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। साथ ही संस्था के अध्यक्ष एवं सचिव का भी अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में अग्रवाल संघ के प्रदेशाध्यक्ष मुनालाल अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्री रामदास बंसल, उपाध्यक्ष गिरिजेश गर्ग, अशोक मंगल खोवा वाले महामंत्री राजेश मितल तथा युवाध्यक्ष राहुल गोयल अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष श्री मोहनलाल बंसल

महामंत्री ताराचंद मंगल, मनोज सिंघल वायु एवं विसंगचन के अध्यक्ष राकेश अग्रवालसहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

‘अपना घर’ संस्था आज मानव सेवा, करुणा और परोपकार का ऐसा प्रेरणास्रोत बन चुकी है, जो हजारों निराश्रित एवं असहाय लोगों के जीवन में नई आशा का संचार कर रही

गोरमी नगर परिषद का बड़ा खेल एक महीने पहले बनाई रोड एक महीने बाद स्वयं ही तोड़ डाली 90 लाख रुपए से बनी थी रोड

गोरमी 7 वार्ड क्रमांक 10 से बड़ी खबर

90 लाख की सड़क एक महीने भी नहीं टिक पाई, कथित लापरवाही से गौमाता की मौत, आखिर जिम्मेदार कौन ?

अशोक सिंह नरवरिया

गोरमी नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 10 में लगभग 90 लाख रुपये की लागत से नाले के ऊपर सड़क का निर्माण कराया गया। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि सड़क का निर्माण पूरा होने के एक महीने के भीतर ही नगर परिषद को पाइप लाइन निकालने के लिए उसी नई सड़क को दोबारा खोदना पड़ गया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद के अधिकारियों, संबंधित इंजीनियर और ठेकेदार ने बिना समुचित योजना के पहले पाइप लाइन के ऊपर ही सड़क का निर्माण कर दिया। बाद में पाइप लाइन निकालने के लिए नई सड़क को तोड़ दिया गया, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सरकारी धन के उपयोग पर गंभीर सवाल खड़े हो गए।

बताया जा रहा है कि निर्माण कार्य में बरती गई कथित लापरवाही और सड़क की अव्यवस्था के कारण एक गौमाता और सरकारी धन के उपयोग पर गंभीर सवाल खड़े हो गए।

मांग तेज हो गई है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पाइप लाइन का कार्य शेष था, तब नई सड़क का निर्माण क्यों कराया गया? यदि



निर्माण में लापरवाही हुई है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी है? क्या नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी, संबंधित इंजीनियर और ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई होगी?

यदि जांच में लापरवाही की पुष्टि होती है, तो दोषी अधिकारियों, इंजीनियरों और संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकारी धन की बर्बादी और एक बेजुबान गौमाता की मौत जैसे गंभीर मामले में जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होना आवश्यक है

निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करें, रिपोर्टिंग व सर्टिफिकेशन में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश - अफजल अमानुल्ला

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता



संस्थाओं एवं ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा, गुणवत्ता मानकों एवं तकनीकी मापदंडों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा और सभी एजेंसियां कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें।

उन्होंने विशेष रूप से रिपोर्टिंग एवं सर्टिफिकेशन संबंधी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन ग्रामों में इन प्रक्रियाओं से जुड़ी कोई समस्या हो, उसकी सूचना तत्काल विभाग को उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जा सके। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि निर्माण कार्यों के साथ-साथ सभी दस्तावेजी औपचारिकताओं, प्रगति प्रतिवेदनों एवं तकनीकी अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन रखा जाए। अधिकारियों ने कहा कि जल जीवन मिशन की योजनाओं का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक स्वच्छ और सुस्थित पेयजल पहुंचाना है, इसलिए सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं को तय समय में पूर्ण करें, ताकि ग्रामीणों को जल्द से जल्द नियमित पेयजल सुविधा का लाभ मिल सके।

नीट पेपर लीक और राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में श्योपुर में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, पुतला दहन की कोशिश पर पुलिस ने किया वाटर कैनन का इस्तेमाल



जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। नीट पेपर लीक प्रकरण, छात्रों के अधिकारों और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में मंगलवार को श्योपुर जिला युवा कांग्रेस ने जय स्तंभ चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन करने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस



कार्यकर्ताओं के बीच काफी देर तक धक्का-मुक्की और खींचतान होती रही। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया गया। युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश के करोड़ों छात्रों की आवाज बनकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री आवास के सामने शांतिपूर्ण ढंग से धरना देकर छात्रों ने भविष्य और न्याय की मांग उठाई थी, लेकिन उनकी गिरफ्तारी लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार छात्रों

की समस्याओं को सुनने के बजाय विपक्ष की आवाज दबाने का काम कर रही है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने ‘छात्रों पर अत्याचार बंद करो’, ‘नीट पेपर लीक की निष्पक्ष जांच कराओ’, ‘राहुल गांधी को रिहा करो’ जैसे नारों के साथ केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। जैसे ही कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन का प्रयास किया, पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक और खींचतान हुई। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने वाटर कैनन का प्रयोग कर भीड़ को नियंत्रित किया, जिससे कुछ

देर के लिए जय स्तंभ चौक पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनका कहना था कि देश का युवा पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और शिक्षा प्रणाली में सुधार चाहता है। यदि सरकार ने छात्रों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष जसवंत मीणा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी शिवहरे, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राम मिलन मीणा, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पीयूष शिवहरे, अभिषेक मीणा, महेश मीणा, गिर्राज सिकरवार, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष विष्णु मीणा, डॉ. शहजाद अली, ख्वाजा भाई, मुकेश कोटार, चेतन मार, गोविंद बंजारा, लखन बंजारा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान जय स्तंभ चौक पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस बल की मौजूदगी के बीच स्थिति पर नियंत्रण रखा गया और बाद में प्रदर्शन शांतिपूर्वक समाप्त हो गया।

करंट से गौवंश की मौत पर फूटा लोगों का गुस्सा, बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही के आरोप

बड़ौदा में करंट की चपेट में आने से गाय की मौत, स्थानीय लोगों ने कहा—पहले भी हो चुकी हैं कई घटनाएं, फिर भी नहीं जाग्राविभाग

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले की बड़ौदा तहसील में बिजली विभाग की कथित लापरवाही एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। टीवीएस शोरूम के समीप करंट की चपेट में आने से एक गौ माता की मौत हो जाने के बाद क्षेत्र में लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इसी स्थान पर पहले भी चार से पांच गौवंश करंट की चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुके हैं, लेकिन बार-बार शिकायतों के बावजूद बिजली विभाग ने समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले में बिजली व्यवस्था पहले से ही बदहल है। एक ओर मेटेनैस के नाम पर लंबे-लंबे बिजली कट लगाए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर सुबह-शाम अघोषित बिजली कटौती से आमजन और व्यापारी दोनों परेशान हैं। लोगों का आरोप है कि विभाग केवल कागजों में मेटेनैस दिखाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहा है, जबकि जर्जर बिजली लाइनें, खुले तार और



शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया गया।

ग्रामीणों और स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि यदि समय रहते जर्जर लाइनें बदली जातीं या तकनीकी खराबी दूर कर दी जाती, तो बार-बार होने वाली इन घटनाओं को रोका जा सकता था। उनका

तकनीकी खामियां लगातार हादसों को न्योता दे रही हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टीवीएस शोरूम के पास एक गाय अचानक करंट की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। लोगों ने आरोप लगाया कि उन्होंने कई बार बिजली विभाग के कर्मचारियों को इस स्थान पर करंट फैलने और खतरे की जानकारी दी थी, लेकिन हर बार

कहना है कि गौवंश की लगातार मौतें विभागीय लापरवाही का परिणाम हैं और यदि जल्द सुधार नहीं किया गया तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

घटना के बाद लोगों ने बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रभावित क्षेत्र की बिजली लाइन, ट्रांसफार्मर और अन्य उपकरणों की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि केवल मेटेनैस के दावे करने से व्यवस्था नहीं सुधरेगी, बल्कि जमीनी स्तर पर सुरक्षा मानकों का पालन और नियमित निरीक्षण जरूरी है। फिलहाल बिजली विभाग की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यदि स्थानीय लोगों के आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला विभागीय कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन और बिजली विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं और भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

में अपराधों पर प्रभावी अंकुश, अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, महिलाओं की सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, सबर्र अपराधों की रोकथाम तथा आम नागरिकों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने की दिशा में पुलिस प्रशासन के सक्रिय होने की उम्मीद जताई जा रही है।

जिले के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थानों ने नवागत पुलिस अधीक्षक का स्वागत करते हुए अपेक्षा व्यक्त की है कि उनके नेतृत्व में श्योपुर पुलिस कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत करेगी तथा आमजन को त्वरित एवं



प्रभुजी पुलिस सेवाएं उपलब्ध

प्रभुजी पुलिस सेवाएं उपलब्ध

श्योपुर के नवंगत पुलिस कप्तान मोती उर रहमान ने संभाली जिले की कमान, कानून व्यवस्था को लेकर बड़ी उम्मीदें

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। श्योपुर जिले को नया पुलिस अधीक्षक मिल गया है। नवागत पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के साथ ही जिले की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और आमजन की सुरक्षा को लेकर नई उम्मीदें जाग उठी हैं।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचने पर अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने कार्यालयीन कार्यभार संभालते हुए विभागीय अधिकारियों से जिले की कानून-व्यवस्था, लंबित प्रकरणों, अपराधों की स्थिति और पुलिस व्यवस्था

की प्रारंभिक जानकारी प्राप्त की। पदभार ग्रहण करने के साथ ही जिले

स्वच्छता में जनभागीदारी जरूरी, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का सख्ती से होगा पालन: एसडीएम गगन सिंह मीणा

श्योपुर में रोजाना निकल रहा 27 टन कचरा, बल्क वेस्ट जन्नेटर होंगे विन्हित; ड्रॉग बाइट नियंत्रण, रीसाइक्लिंग प्लांट और कचरा पृथक्करण पर विशेष जोर

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता



श्योपुर। कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 एवं सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनभागीदारी और व्यवहार परिवर्तन से ही स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम गगन सिंह मीणा ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रत्येक प्रावधान का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नगर पालिका एवं संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर सफाई कर्मियों को सक्रिय किया जाए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भी नियमों के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि घर-घर से नियमित रूप से कचरा संग्रहण किया जाए तथा लोगों को गीला, सूखा, सैनिटरी एवं विशेष श्रेणी के कचरे को अलग-अलग रूप से के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर जनसहयोग से डस्टबिन स्थापित करने तथा नगर पालिका के ट्रेचर्स ग्राउंड पर बैज्ञानिक तरीके से कचरे का पृथक्करण (सेग्रिगेशन) एवं एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी

फैसिलिटी) की व्यवस्था विकसित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में नगर पालिका अधिकारियों ने जानकारी दी कि श्योपुर शहर में टीपर वाहनों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 27 टन कचरा एकत्रित किया जा रहा है। साथ ही श्योपुर में 12 तथा बड़ौदा में 5 ऐसे शासकीय एवं निजी संस्थाओं की पहचान की गई है, जहां बल्क वेस्ट जन्नेटर स्थापित किए जाएंगे, ताकि बड़े संस्थाओं में निकलने वाले कचरे का निस्तारण उसी परिसर में किया जा सके।

बैठक के दौरान ड्रॉग बाइट प्रबंधन भी प्रमुख विषय रहा। एसडीएम ने निर्देश दिए कि श्योपुर में शीघ्र एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर स्थापित किया जाए। इसके साथ ही आवारा कुत्तों का सर्वे, नसबंदी एवं रेबीज टीकाकरण अभियान चलाया जाए तथा पालतू खानों का अनिवार्य पंजीयन कराया जाए। उन्होंने घुमंतू मवेशियों के प्रभावी प्रबंधन के भी निर्देश दिए।

बैठक में एमएसएमई विभाग के सहायक संचालक शुभम अग्निहोत्री ने

जानकारी दी कि स्कूलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण एवं री-साइक्लिंग प्लांट स्थापित करने वाले उद्यमियों को 40 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना के तहत कचरे का पृथक्करण कर उससे विभिन्न उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

बैठक में ड्रग प्रभावी एवं डिंटी कलेक्टर विजय शावक, डिंटी कलेक्टर पवन धुरैया, जनपद पंचायत श्योपुर के सीईओ एसएस भटनगर, जनपद करहल के सीईओ अभिषेक त्रिवेदी, सीएमओ नरेंद्र जाटव, एसबीएम प्रभावी जीएस डोगरे, उप संचालक पशुपालन डॉ. सुभाष बाबू दौहरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन और जनसहभागिता को साथ लेकर ही स्वच्छ एवं स्वस्थ श्योपुर का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा।

खनियाधाना के गांवों में पेयजल स्रोतों का क्लोरिनेशन, जागरूकता रैली निकाली

ग्रामीणों को दी साफ पानी पीने और सफाई रखने की सलाह, डायरिया से बचाव के बताए आसान उपाय...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। बारिश के मौसम में डायरिया और जलजनित बीमारियों का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। दूषित पानी पीने से डायरिया, उल्टी-दस्त और पेट की अन्य बीमारियां तेजी से फैलती हैं, खासकर बच्चों और बुजुर्गों में। इसी को ध्यान में रखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा डायरिया रोकने अभियान के तहत गतदिवस विकासखंड खनियाधाना के सभी गांवों के पेयजल स्रोतों में जर्मेक्स डालकर क्लोरिनेशन किया गया। क्लोरिनेशन से पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणु और विषाणु नष्ट हो जाते हैं जिससे पानी पीने के लिए सुरक्षित बनता है।

घर-घर पहुंची जागरूकता की अपील
विभाग की विकासखंड समन्वयक अमिता गोस्वामी ने ग्रामीणों से सीधे मिलकर उन्हें पेयजल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने, हमेशा उबला हुआ या क्लोरिन युक्त पानी पीने और खुले में शौच न करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हैंडपंप, कुएँ और नल के आसपास गंदगी न होने दें क्योंकि वहां से गंदगी पानी में मिलकर बीमारियां फैलती है।



डायरिया के लक्षण और बचाव के बारे में बताया : ग्रामीणों को बताया गया कि बार-बार पतले दस्त होना, उल्टी आना, पेट में मरोड़ और कमजोरी महसूस होना डायरिया के मुख्य लक्षण हैं। छोटे बच्चों में यह बीमारी बहुत खतरनाक हो

सकती है क्योंकि उनका शरीर जल्दी कमजोर पड़ जाता है। डायरिया होने पर तुरंत ओआरएस का घोल पिलाएं और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाएं। ओआरएस घोल घर पर भी बनाया जा सकता है कृ एक लीटर साफ पानी में एक चम्मच

नमक और छह चम्मच चीनी मिलाकर पिलाते रहें।

इन बातों का रखें ध्यान
ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि खाना खाने से पहले और शौच के बाद हाथ साबुन से जरूर धोएं। बाजार का कटा हुआ फल, खुले में रखा खाना और बासी भोजन न खाएं। पानी को हमेशा ढक्कर रखें और गंदे पानी का उपयोग बिल्कुल न करें। घर के आसपास पानी जमा न होने दें क्योंकि रुके हुए पानी में मच्छर और बैक्टीरिया पनपते हैं।

जागरूकता रैली से गांव-गांव पहुंचा संदेश : अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता रैली भी निकाली गई जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली के माध्यम से साफ पानी पीने, हाथ धोने और सामुदायिक स्वच्छता के संदेश को घर-घर तक पहुंचाया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की ओर से ग्रामीणों से अपील की गई है कि बारिश के इस मौसम में विशेष सतर्कता बरतें। किसी भी तरह की स्वास्थ्य समस्या होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाएं।..

शिवपुरी आईजी अरविंद सक्सेना एवं पुलिस अधीक्षक शिवपुरी नें नशे के खिलाफ विशेष अभियान: ‘नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0’ का शुभारंभ...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। जिला पुलिस द्वारा समाज को नशामुक्त बनाने और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ‘नशे से दूरी है जरूरी 2.0’ जन-जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई है। इस संबंध में पुलिस कंट्रोल रूम, जिला शिवपुरी में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

अभियान की मुख्य बातें:
अभियान की अवधि: मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित यह विशेष अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक चलाया जा रहा है।

उद्देश्य: समाज में बढ़ते नशे के प्रचलन पर रोक लगाना, युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना तथा नशा कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई करना।

कार्यक्रम एवं जागरूकता: अभियान के तहत जिले भर के स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, रैलियों व सेमीनार का आयोजन किया जाएगा।

प्रेस वार्ता में वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद
प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि समाज और अपराध दर पर भी बुरा असर डालता है। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करें।



ग्रामीणों के हक का राशन डकार गए प्रबंधक, सेल्समैन और ट्रांसपोर्टर...

-गांव वालों से एडवांस अंगुठा लगवाकर नहीं बांटा 4 महीने का राशन, -क्लेक्टर के आदेश पर जांच में हुआ बड़ा खुलासा, होगी एफआईआर

शिवपुरी (निज संवाददाता)। ग्राम ख्यावदाकला में गरीबों के हक का चार महीने का राशन प्रबंधक, सेल्समैन और ट्रांसपोर्टर ने मिलकर डकार लिया। लीड गोदाम से माल गांव के लिए रवाना हुआ, लेकिन गांव तक पहुंचा ही नहीं। ग्रामीणों से एडवांस में अंगुठा लगवाकर खानापूर्ति कर दी गई। क्लेक्टर की शिकायत पर हुई जांच में इस गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। अब तीनों के खिलाफ एफआईआर की तैयारी है।

शिकायत से खुला मामला
ग्राम ख्यावदाकला के उपभोक्ताओं



ने क्लेक्टर और जिला आपूर्ति अधिकारी को आवेदन देकर शिकायत की थी कि गांव की शासकीय उचित मूल्य दुकान पर पदस्थ सेल्समैन अशोक रावत द्वारा मशीन पर एडवांस में अंगुठा लगवा लिया जाता है और अप्रैल, मई, जून, जुलाई 2026 का राशन नहीं दिया जा रहा है। राशन मांगने पर अभद्र व्यवहार किया जाता

है और कहा जाता है कि ऊपर अधिकारियों को देना पड़ता है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए क्लेक्टर ने जांच के आदेश दिए। एडीएम, एसडीएम सहित चार सदस्यीय टीम ने जांच की। जांच में सामने आया कि लीड गोदाम से ख्यावदाकला के लिए राशन रवाना हो हुआ था, लेकिन वह कंट्रोल तक

पहुंचा ही नहीं। जांच के दौरान जब सेल्समैन अशोक रावत से पूछताछ की गई तो उसने कहा कि उसे माल ही नहीं मिला है। वहीं ट्रांसपोर्टर का कहना है कि माल मैन कंट्रोल तक पहुंचा दिया है, मेरे पास उसकी रिसीविंग है। इस पर सेल्समैन ने ट्रांसपोर्टर द्वारा दिखाई जा रही रिसीविंग को फर्जी बताया।

खाद्य अधिकारी ने माना, मिलीभगत से डकारा राशन
पूरे मामले में जिला खाद्य अधिकारी सुलेखर कुंरे ने बताया कि जांच में यह स्पष्ट पाया गया है कि उक्त राशन को ट्रांसपोर्टर, सेल्समैन और समिति प्रबंधक ने मिलकर डकारा है। खाद्य अधिकारी ने कहा कि हमने इस संबंध में थाने में शिकायत कर दी है। जल्द ही तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और ग्रामीणों को उनका रुका हुआ राशन दिलवाया जाएगा।

थाना सुभाषपुरा पुलिस द्वारा अवैध शराब का विक्रय करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर अवैध शराब 60 लीटर को जप्त किया एवं आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया ।...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। श्रीमती यांगचेन डेलकर भूटिया पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा अवैध शराब के विक्रय को रोकने हेतु विशेष निर्देश जारी किये गये है। इस क्रम में श्री आर.डी. प्रजापति अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी एवं श्री सचिन कुमार धुर्वे एस डी ओ पी शिवपुरी के मार्ग दर्शन में अवैध शराब के विक्रय करने वालों पर लगातार नजर रखी जा रही थी इसी क्रम मे दिनांक 21.07.2026 को थाना प्रभारी सुभाषपुरा को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि एक व्यक्ति शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धौलागढ के पास दो नीले रंग की प्लास्टिक की कैनो मे देशी हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब भरकर विक्रय के लिए खडा दिखाई दे रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी सुभाषपुरा द्वारा टीम गठित कर प्रआर0 197 अभय सिंह को मय बल के सूचना की तसदीक हेतु रवाना किया गया । तसदीक के दौरान एक व्यक्ति शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धौलागढ के पास दो नीले



रंग की प्लास्टिक की कैनो मे देशी हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब भरकर विक्रय के लिए खडा दिखाई दे रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी सुभाषपुरा का प्रयास करने लगा, जिसे धेरावर्दी कर पकडा गया व पकड़े गये व्यक्ति से उक्त कैनो व व्यक्ति का नाम पता पृष्ठ तो व्यक्ति के द्वारा दो नीले रंग की प्लास्टिक की कैनो मे देशी हाथ भट्टी की बनी 30-30 लीटर कुल 60 लीटर कच्ची शराब भरा होना व स्वयं का नाम

मिथुन मोगिया(शिकारी) पुत्र मुन्ना मोगिया उम्र 36 साल निवासी ग्राम केमई थाना बैराढ जिला शिवपुरी मध्य प्रदेश होना बताया । उक्त व्यक्ति पर शराब रखने लाने ले जाने विक्रय संबंधी कोई लाईसेंस ना होने से आरोपी के कब्जे से उक्त कच्ची शराब को विधिवत् जप्त कर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया जहां से आरोपी को जेल भेजा गया । उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सुभाषपुरा उर्जित अरविन्द सिंह चौहान , सउनि अरुण वर्मा, सउनि महेशदत्त शर्मा, प्रआर0 197 अभय सिंह , आर0 966 अक्वेश शर्मा, आर0 719 सुखवीर सिंह जाट, आर0 274 धर्मेन्द्र शर्मा , आर0 39 काले खान, आर0 321 मेहन्द्र कुशवाह ,आर0 598 अर्जुन सिंह जाट प्रआर0 चा0 501 राजेश मिश्रा की विशेष भूमिका रही है।

सवारी से भरी यात्री बस पलटी आधा दर्जन से अधिक सवारियां हुई घायल

सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की सहायता से पहुंचाया गया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद

अशोक सिंह नरवरिया

गोहद, प्रास जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह 5:00 बजे ग्वालियर से उई के लिए जा रही यात्रियों से भरी बस एम्पी 30 पी 0795, ग्वालियर से सवारियां भरकर उई के लिए जा रही थी की तभी अचानक गोहद चौराहा थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम बिखडड़ी और जेतपुर गांव के बीच अज्ञात कारों के चलते सड़क किनारे खेत में जा कर पलट गई, बस के पलटते ही सवारी और बच्चों की चीख पुकार मचने लगी, राजगीरों और कुछ युवा बस यात्रियों ने अपने आप को संभालते हुए बस में फंसे हुए लोगों को बस से बाहर निकाला, जिसमें तकरीबन आधा दर्जन से अधिक यात्रियों को चोटें आईं, जिसमें दो मासूम बच्चे भी शामिल थे,किसी बस यात्री द्वारा 108 एम्बुलेंस पर सहायता के लिए फोन पर सूचना दी गई, घटना की जानकारी जैसे ही भिण्ड 108 एंबुलेंस के जिला अधिकारी प्रभांशु दुबे को मिली, उन्होने तुरंत चार से पांच 108 एंबुलेंस घटनास्थल के



लिए पहुंचा दी, पायलट मुगुरी लाल गोस्वामी, रामदास कुशवाह, शिवा कुशवाह, जितेंद्र ओझा, अरुण शर्मा, ई.एम.टी विकास शर्मा , और पुलिस जवान के साथ हड़ैद डायल भी तुरंत बिना देरी किए तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई, घायल महिला मरीज किरन पती रामेश्वर उम्र 38 साल निवासी

रिनिया, जिला जालौन, उत्तर प्रदेश, राम आश्रय 56 साल शिखा पिता रामेश्वर उम्र 13 साल, निशा उम्र 15 साल अनमोल और 11 साल कृष्ण पिता जितेंद्र उम्र 20 साल निवासी गोविंद नगर भिंड, कुछ घायल यात्रियों द्वारा पुछताछ करने पर बताया गया कि बस ड्राइवर नशे की हालत में बस



को चला रहा था, सभी घायल यात्रियों को तुरंत 108 एम्बुलेंस में बिठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद पहुंचा कर भारती कवा कर इलाज चालू करवाया, जिससे उन सभी को समय पर सही उपचार दिया जा सका, पुलिस टीम बस पलटने के अज्ञात कारणों की तलाश में जुटी,

नीम के पेड़ पर बिजली के तार से लटका मिला युवक का शव, गांव में सनसनी

36 वर्षीय युवक की सदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पुलिस जांच में जुटी



विजयपुर/श्योपुर। विजयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पचनया में गुरुवार को एक 36 वर्षीय युवक का शव गांव के बाहर स्थित नीम के पेड़ पर बिजली के तार से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। मृतक की पहचान भूरा पुत्र सियाराम कुशवाहा (36 वर्ष), निवासी ग्राम पचनया के रूप में हुई है। सूचना पर विजयपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची

कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों और ग्रामीणों से पुछताछ की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

त्रोटतः यदि किसी व्यक्ति में आत्महत्या के विचार दिखाई दें या वह संकट में लगे, तो उसे अकेला न छोड़ें और तत्काल परिवार, स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं या आपात्कालीन सहायता से संपर्क करें।

युवा संगम रोजगार मेला में 174 आवेदकों का हुआ चयन

- मेले में कुल 189 युवाओं ने कराया था पंजीयन



भिण्ड (निज संवाददाता)। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र भिण्ड द्वारा युवा संगम रोजगार मेला, ऑगस्टिस मेला तथा स्पोर्ट्स रोजगार मेला का आयोजन शा. एमजेएस महाविद्यालय भिण्ड में किया गया। युवा संगम रोजगार मेले में कुल 189 आकांक्षी युवाओं ने पंजीयन कराया। जिसमें 10 कम्पनियों द्वारा 174 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया गया। इस दौरान एक्सिस

बैंक गुडगांव द्वारा 31, पेथर विस्टा बट काम भिण्ड द्वारा 11, अनिन स्टोका ग्वालियर द्वारा 14, क्विक आईटी सेल्सुन ग्वालियर द्वारा 19, ग्रेड ऑनिस डायमंड सागर द्वारा 9, चेटमैड सिन्धोटी गुजरात द्वारा 31, एलआईसी भिण्ड द्वारा 16, जीब फेयर न्यू डैट कॉम भिण्ड द्वारा 23, विराट वायो प्लॉट गुजरात द्वारा 12, महिन्द्रा ट्रैक्टर कौशल विकास केंद्र ग्वालियर द्वारा 08 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया गया।

जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजा विजयपुर, फूलों की वर्षा के बीच निकली भव्य रथ यात्रा



विजयपुर (निज संवाददाता)। भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा बुधवार को विजयपुर में श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ निकाली गई। यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा नगर "जय जगन्नाथ" के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। भगवान जगन्नाथ, बलभर और सुभाद्रा कर रथ का स्वागत किया। कई स्थानों पर आरती उत्तरी गई तथा प्रसाद वितरण भी किया गया। रथ यात्रा का शुभारंभ फटाक वाले हनुमान मंदिर से वैदिक

मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद रथ मुख्य बाजार होते हुए सुनवाई तिहाई तक पहुंचा। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ भगवान के दर्शन के लिए उमड़ी रही।यात्रा के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थानों और श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर रथ का स्वागत किया। कई स्थानों पर आरती उत्तरी गई तथा प्रसाद वितरण भी किया गया। रथ-विरो फूलों से सजे रथ और भक्तों के उत्साह से



पूरा नगर भक्तिमय माहौल में नजर आया। रथ यात्रा में महिलाएं, युवा, बुजुर्ग और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। खेल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और जयघोष के बीच श्रद्धालु पूरे मार्ग में नाचते-गाते भगवान की भक्ति में लीन दिखाई दिए। नगर के प्रमुख मार्गों को विशेष रूप से सजाया गया था।आयोजन में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों ने भी सहभागिता निभाई। प्रशासन की व्यवस्थाओं के बीच रथ यात्रा

शांतिपूर्ण एवं अनुशासित ढंग से संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ से नगर की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

नगरवासियों ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी है। इस आयोजन ने पूरे विजयपुर को भक्ति और उत्साह के रंग में सराबोर कर दिया।

संपादकीय

सिंथेटिक ओपिओइड: अमेरिका में कानून और स्वास्थ्य के बीच संतुलन

सैयद सुलेमान अख़र, सैन पत्रिका

अवैध सिंथेटिक दवाओं का बढ़ता प्रचलन वैश्विक मादक पदार्थों के परिदृश्य को बदल रहा है। पारंपरिक मादक पदार्थों के विपरीत, फेंटानिल जैसे सिंथेटिक ओपिओइड को तेजी से बनाया जा सकता है, जटिल अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के माध्यम से पहुंचाया जा सकता है और भौतिक तथा ऑनलाइन दोनों नेटवर्कों के जरिए वितरित किया जा सकता है। इनकी बढ़ती व्यापकता ने सरकारों को यह सोचने के लिए मजबूर किया है कि वे मादक पदार्थों की तस्करी और लत से कैसे निपटें।

जब पत्रकार प्रांजित डेका और नीति विशेषज्ञ अयाज अहमद वानी इस वर्ष की शुरुआत में मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने पर केंद्रित आईवीएलपी कार्यक्रम के तहत अमेरिका गए, तो उन्होंने ऐसी प्रतिक्रिया देखी जो पारंपरिक कानून प्रवर्तन से कहीं आगे तक जाती है। नीति निर्माताओं, कानून प्रवर्तन अधिकारियों, शोधकर्ताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ बैठकों के दौरान उन्होंने देखा कि अमेरिका बदलते मादक पदार्थों के खतरों से निपटने के लिए खुफिया जानकारी, प्रवर्तन, उपचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को किस प्रकार जोड़ता है।

सिंथेटिक दवाएं राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौती के रूप में वानी के अनुसार, सिंथेटिक ओपिओइड अमेरिका में एक बड़ी राष्ट्रीय चिंता बन चुके हैं। हाल के वर्षों में देश में ओवरडोज से होने वाली मौतों में वृद्धि देखी गई है, जिसका मुख्य कारण सिंथेटिक ओपिओइड, मेथामफेटामाइन और कोकीन का उपयोग रहा है। चुनौती के व्यापक स्तर को देखते हुए अमेरिका की प्रतिक्रिया में मादक पदार्थों की तस्करी और लत को तेजी से ऐसे मुद्दों के रूप में देखा जा रहा है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों को प्रभावित करते हैं। वानी ने बताया कि फेंटानिल, जिसके कारण हर साल हजारों मौतें होती हैं, को अंतरराष्ट्रीय आराधिक संगठनों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़े खतरे के रूप में देखा जाता है।

इसके परिणामस्वरूप, अमेरिकी एजेंसियां, वानी के अनुसार ‘संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण’ अपनाती हैं, जिसमें सीमा सुरक्षा, प्रतिबंध, खुफिया जानकारी एकत्र करना, संपत्ति जब्त करना, कूटनीतिक भागीदारी और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय शामिल हैं। इस रणनीति का उद्देश्य केवल तस्करी नेटवर्क को बाधित करना ही नहीं बल्कि उपचार, रोकथाम और सामुदायिक पहुंच के माध्यम से मांग को कम करना भी है।

अमेरिकी कानून प्रवर्तन में खुफिया आधारित पुलिस कार्रवाई यात्रा के दौरान उपभरकर सामने आए सबसे मजबूत पहलुओं में से एक खुफिया-आधारित पुलिसिंग का महत्व था। सिंथेटिक ओपिओइड को केवल स्थानीय कानून प्रवर्तन की समस्या मानने के बजाय, अमेरिकी एजेंसियां उन अपराधिक नेटवर्कों पर ध्यान केंद्रित करती है जो इनका उत्पादन, परिवहन, वितरणोपार्ण और वितरण करते हैं। डेका कहते हैं, ‘यहां अमेरिकी दृष्टिकोण अत्यधिक खुफिया-आधारित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केंद्रित है। सिंथेटिक ओपिओइड को स्थानीय मुद्दा नहीं माना जाता, बल्कि इसे वैश्विक अपराधिक नेटवर्क के हिस्से के रूप में देखा जाता है।’

ड्वा एम्नोसमेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) के साथ बैठकों के दौरान, आईबीएलपी प्रतिभागियों ने सीखा कि विभिन्न देशों में तस्करी मांगों का पता कैसे लगाया जाता है और एजेंसियां मादक पदार्थों के वितरण के लिए इस्तेमाल होने वाले वित्तीय प्रवाह तथा ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों की निगरानी कैसे करती है।

फेडरल और राज्य फ्यूजन केंद्रों के बीच डेटा साझा करना टेक्सास में होमलैंड सिक्योरिटी विभाग और नेशनल नेटवर्क ऑफ फ्यूजन सेंटर्स के साथ बैठकों ने यह दिखाया कि सीमा अधिकारियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और वित्तीय जांचकर्ताओं द्वारा एकत्र की गई जानकारी को किस प्रकार एक साथ लाकर वास्तविक समय में विश्लेषित किया जाता है। डेका कहते हैं, ‘इस प्रकार की वास्तविक समय में कई स्रोतों से खुफिया जानकारी साझा करना सिंथेटिक दवाओं से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इन्हें पारंपरिक मादक पदार्थों की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बनाया और तस्करी किया जा सकता है।’

वानी भी अंतर एजेंसी सहयोग की भूमिका पर जोर देते हैं। वह बताते हैं कि डीईए, एफबीआई और होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशंस के फ्यूजन केंद्र मादक पदार्थ नेटवर्कों की निगरानी के लिए मिलकर काम करते हैं, जबकि फेडरल, राज्य और स्थानीय कार्यबल जानकारी साझा करते हैं और जांच का समन्वय करते हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य और नशामुक्ति की दिशा में बढ़ता ध्यान जहां कानून प्रवर्तन अमेरिका की प्रतिक्रिया का एक केंद्रीय हिस्सा बना हुआ है, वहीं प्रतिभागियों ने रोकथाम, उपचार और पुनर्वास पर दिए गए जोर को भी महत्वपूर्ण पाया। डेका कहते हैं, ‘जिस बात ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया, वह सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण की ओर स्पष्ट बदलाव था। लत को केवल एक अपराधिक मुद्दा नहीं माना जाता बल्कि एक पुरानी स्वास्थ्य स्थिति के रूप में देखा जाता है, जिसके लिए उपचार और सहायता की आवश्यकता होती है।’

मिशिगन में उन्होंने एंजल पहल जैसे कार्यक्रमों को देखा, जो नरो की समस्या से जुड़ रहे लोगों को बिना सजा के डर के सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। शोधकर्ताओं के साथ चर्चाओं में रोकथाम शिक्षा, सामुदायिक भागीदारी और शुरुआती हस्तक्षेप की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। वानी के अनुसार, सामुदायिक भागीदारी व्यापक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वह बताते हैं कि स्वास्थ्यकर्मों, कानून प्रवर्तन एजेंसियां, स्थानीय अधिकारी और सामुदायिक संगठन मिलकर मांग को कम करने और उपचार तक पहुंच बढ़ाने के लिए काम करते हैं। वह कहते हैं, ‘अमेरिका नशीली दवाओं की लत और पदार्थों के उपयोग को एक पुरानी बीमारी के रूप में देखता है और समुदायों को सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से नारकेन जैसे उपचार तक पहुंच प्रदान की जाती है।’

डेका लंबे समय तक नशामुक्ति में सहायता के लिए दवा-सहायता प्राप्त उपचार और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के उपयोग की ओर भी संकेत करते हैं। वह कहते हैं, ‘जो बात सबसे अधिक उल्लेखनीय है, वह कर्लंक को कम करने का प्रयास है, जिससे लोगों के लिए आगे आना और सहायता मांगना आसान हो जाता है।’

अमेरिकी ड्रा कोर्ट कैसे न्याय को पुनर्वास से जोड़ते हैं प्रतिभागियों ने ऐसे तरीकों को भी देखा, जिनका उद्देश्य अपराधिक न्याय प्रणाली को पुनर्वास सेवाओं से जोड़ना था। डेका के लिए सबसे उल्लेखनीय उदाहरणों में से एक ड्रा कोर्ट का उपयोग था। वह कहते हैं, ‘ड्रा कोर्ट की अवधारणा यह दर्शाती है कि सभी मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों के लिए जेल भेजना आवश्यक नहीं है।’ ये अदालतें न्यायाधीशों, वकीलों, निगरानी अधिकारियों और उपचार प्रदाताओं को एक साथ लाती हैं, ताकि पात्र व्यक्तियों को जवाबदेही बनाए रखते हुए सुधार और पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन दिया जा सके।

वानी ने ड्रा कोर्ट की यात्रा के दौरान इसी प्रकार का मॉडल देखा, जहां अहिंसक अपराधियों को न्यायाधीशों की निगरानी वाले उपचार कार्यक्रमों में भेजा गया। वह बताते हैं कि स्थानीय समुदाय और प्रशासनिक अधिकारी अवसर पुनर्वास के बाद भी व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त करने और समुदाय में फिर से शामिल होने में सहायता देकर उनका समर्थन जारी रखते हैं।

प्रवर्तन और नीति पारिस्थितिकी तंत्र का समन्वय दोनों प्रतिभागियों के लिए इस यात्रा ने यह स्पष्ट किया कि आधुनिक मादक पदार्थों की तस्करी सीमाओं से परे है और इसके लिए समन्वित प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता होती है। डेका कहते हैं, ‘जिस बात ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया, वह संस्थानों के बीच समन्वय की गहराई और भूमिकाओं की स्पष्टता थी। वॉशिंगटन डीसी की अपनी यात्रा के दौरान मैंने देखा कि नीति, प्रवर्तन और सार्वजनिक स्वास्थ्य अलग-अलग काम नहीं कर रहे हैं बल्कि एक सुयवस्थित पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में कार्य कर रहे हैं।’

आध्यात्मिक खोज की शांत वापसी: बाजार से भीतर की ओर लौटता मनुष्य

डॉ भूपेन्द्र कुमार

मानव सभ्यता की पुरी यात्रा को यदि गहराई से देखा जाए तो उसके केंद्र में एक अनवरत खोज दिखाई देती है—मैं कौन हूं, मैं क्यों हूं और मेरे जीवन का वास्तविक अर्थ क्या है? मनुष्य ने इस प्रश्न का उत्तर कभी धर्म में खोजा, कभी दर्शन में, कभी विज्ञान में और कभी भौतिक उपलब्धियों में। आधुनिक युग में यह खोज एक नए रूप में सामने आई। सुख, सफलता, सुविधा और समृद्धि को जीवन की पूर्णता मान लिया गया। मनुष्य ने घर बनाए, संपत्ति अर्जित की, तकनीक विकसित की, दुनिया को अपनी मुठ्ठी में करने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद उसके भीतर की एक खालीपन बना रहा।

अब धीरे-धीरे एक नया बदलाव दिखाई दे रहा है। यह बदलाव बहुत शोर के साथ नहीं आया है। न इसके लिए कोई बड़ी घोषणा हुई है, न कोई आंदोलन खड़ा हुआ है। यह परिवर्तन मनुष्य के भीतर चुपचाप जन्म ले रहा है। लोग यह सवाल पूछने लगे हैं कि आखिर वे जिस जीवन की ओर लगातार दौड़ रहे हैं, क्या वास्तव में वही जीवन उन्हें चाहिए? क्या बाजार द्वारा निर्धारित इच्छाएं ही उनकी वास्तविक इच्छाएं हैं? क्या अधिक सुविधा, अधिक धन, अधिक उत्पादकता और अधिक उपलब्धियां वास्तव में उन्हें शांति दे सकती हैं?

इसी प्रश्नों के बीच आध्यात्मिक खोज की एक शांत वापसी दिखाई दे रही है—बाजार से भीतर की ओर, प्रदर्शन से अनुभव की ओर और आत्म-बुधार से आत्म-बोध की ओर।

भौतिक समृद्धि के बीच बढ़ता आंतरिक खालीपन आधुनिक मनुष्य के पास पहले की तुलना में अधिक साधन हैं, लेकिन क्या उसके पास अधिक शांति भी है? उसके पास बेहतर तकनीक है, तेज संचार है, मनोरंजन के अनगिनत साधन हैं और जीवन को सुविधाजनक बनाने वाली अनेक व्यवस्थाएं हैं। फिर भी तनाव, अकेलापन, बेचैनी और अर्थहीनता की अनुभूति बढ़ती दिखाई देती है।

यह विरोधाभास महत्वपूर्ण है। मनुष्य ने बाहरी दुनिया को जीतने की कोशिश में अपने भीतर की दुनिया से दूरी बना ली। उसने यह मान लिया कि जीवन की समस्याओं का समाधान बाहर के वस्तुओं में छिपा है। नई वस्तु, नई नौकरी, नया लक्ष्य, नया अनुभव और नई उपलब्धि—हर बार उसे लगा कि अब शायद वह संतुष्ट हो जाएगा।

लेकिन संतोष हर बार कुछ कदम आगे खिसक गया।

यहीं से एक बुनियादी प्रश्न जन्म लेता है—क्या मनुष्य को वास्तव में किसी नई वस्तु की आवश्यकता है या उसे अपने भीतर लौटने की आवश्यकता है? ‘तीन कदम में बदलाव’ के बाजार से मोहभंग

पिछले कुछ दशकों में स्व-सहायता, व्यक्तिगत विकास और वेलेनेस उद्योग ने मनुष्य की इसी बेचैनी को एक बढ़ते बाजार में बदल दिया। उसे बताया गया कि जीवन को बदलना बहुत आसान है—बस सही तकनीक अपनाइए, सही ऐप डाउनलोड कीजिए, सही पुस्तक पढ़िए या सही कार्यक्रम में शामिल हो जाइए।

कभी तीन कदम में सफलता का वादा किया गया, कभी चार सप्ताह में व्यक्तित्व परिवर्तन का। कभी सात दिन में शांति, तो कभी एक सप्ताहमें में जीवन बदलने का दावा किया गया।

मैडिटेशन ऐप्स ने कुछ मिनटों में तनाव दूर करने का वादा किया। प्रोजेक्टिविटी सिस्टम ने जीवन को अधिक व्यवस्थित बनाने का दावा किया। सेल्फ-हेल्प पुस्तकों ने सफलता का सूत्र दिया। मोटिवेशनल कार्यक्रमों ने बताया कि बस सोच बदलने से जीवन बदल जाएगा।

इन सबका अपना महत्व हो सकता है। समस्या तब पैदा होती है जब जटिल मानवीय अनुभवों को त्वरित उत्पादों में बदल दिया जाता है।

मनुष्य का दुख कोई मौबाइल एप्लिकेशन नहीं है जिसे डाउनलोड करके ठीक कर दिया जाए। अकेलापन कोई ऐसा तकनीकी बग नहीं है जिसे किसी सिस्टम से दूर किया जा सके। जीवन का अर्थ किसी 30-दिन की चुनौती का अंतिम परिणाम नहीं है।

आत्म-सुधार की अंतर्हीन दौड़

आधुनिक मनुष्य को लगातार यह संदेश दिया गया कि उसे अपने वर्तमान स्वरूप से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। उसे हमेशा खुद को बेहतर बनाना है—अधिक उत्पादक, अधिक आकर्षक, अधिक सफल, अधिक अनुशासित और अधिक कुशल।

इस विचार में एक गहरी विडंबना जाए। यदि व्यक्ति को हर क्षण यह बताया जाए कि वह अभी पर्याप्त नहीं है, तो वह लगातार अपने भीतर कमी खोजता रहेगा। वह स्वयं को स्वीकार करने के बजाय स्वयं को सुधारने की दौड़ में लगा रहेगा।

आज की सेल्फ-इम्प्रूवमेंट संस्कृति का एक बड़ा हिस्सा इसी मनोविज्ञान पर आधारित है। व्यक्ति को लगता है कि अगली किताब, अगला कोर्स, अगला रिट्रिट या अगली तकनीक उसके जीवन की वह कमी पूरी कर देगी, जो पिछली चीज पूरी नहीं कर पाई।

इस प्रकार आत्म-विकास कभी समाप्त नहीं होता। लक्ष्य लगातार बदलता रहता है और मनुष्य लगातार अपने वर्तमान स्वरूप से असंतुष्ट बना रहता है।

अब इस चक्र से बाहर निकलने की इच्छा पैदा हो रही है। उत्पादकता बढ़ी, लेकिन अर्थ नहीं मिला

आधुनिक जीवन ने मनुष्य को अधिक उत्पादक बना दिया है। वह कम समय में अधिक काम कर सकता है। तकनीक ने उसकी कार्यक्षमता बढ़ाई है। कुत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल उपकरणों ने अनेक कार्य आसान किए हैं।

लेकिन एक महत्वपूर्ण सवाल अब भी अनुत्तरित है—

यदि हम अधिक तेजी से काम कर रहे हैं, तो हम आखिर जा कहाँ रहे हैं?



रायपुर, 22 जुलाई (हि.स.)। छत्तीसगढ़ में बढ़ते सड़क हादसों और मौतों को लेकर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने बुधवार को राज्य सरकार, पुलिस और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) को कड़ी फटकार लगाई है।

अदालत ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए 10 दिनों के भीतर राज्य सरकार, पुलिस प्रशासन और एनएचएआई को 10 दिनों के भीतर शपथ पत्र के साथ अपनी विस्तृत कार्ययोजना के साथ का निदेश दिया है। शपथ पत्र के साथ विस्तृत कार्ययोजना भी मांगी है।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायाधीश रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राज्य में

उत्पादकता का बढ़ना अपने आप में जीवन के अर्थ का बढ़ना नहीं है। व्यक्ति बहुत कुछ हासिल कर सकता है, लेकिन फिर भी भीतर से खाली महसूस कर सकता है। वह आर्थिक रूप से सफल हो सकता है, लेकिन भावनात्मक रूप से अकेला हो सकता है।

यही कारण है कि आज सफलता की परिभाषा पर भी पुनर्विचार हो रहा है। कार्यस्थल पर अकेलापन, परिवार में संवाद की कमी और सामाजिक संबंधों का कमजोर होना मनुष्य को भीतर से प्रभावित कर रहा है। इससे स्पष्ट होता है कि मनुष्य को केवल सुविधा नहीं चाहिए; उसे संबंध, अपनापन और अर्थ भी चाहिए।

आध्यात्मिक खोज इसी बिंदु पर एक नई भूमिका ग्रहण करती है। यह केवल ईश्वर या किसी धार्मिक अवधारणा की खोज नहीं है। यह अपने अस्तित्व से गहरे जुड़ने, दूसरों से वास्तविक संबंध बनाने और जीवन को अर्थपूर्ण ढंग से जीने की खोज है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में मनुष्य का नया प्रश्न

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मनुष्य की क्षमता को एक नई दिशा दी है। वह जानकारी तेजी से प्राप्त कर सकता है, प्रश्नों के उत्तर पा सकता है और अनेक कार्य कुछ ही क्षणों में कर सकता है। लेकिन तकनीक एक प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकती—मनुष्य को वास्तव में क्या चाहिए?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यह बात सकती है कि किसी समस्या का समाधान कैसे किया जाए, लेकिन यह तय करना अभी भी मनुष्य का काम है कि वह समस्या उसके लिए महत्वपूर्ण क्यों है।

तकनीक हमें अधिक कुशल बना सकती है, लेकिन वह अपने आप हमें अधिक अर्थपूर्ण जीवन नहीं दे सकती। इसलिए संभव है कि जितना अधिक तकनीकी विकास होगा, उतना ही अधिक मनुष्य अपने भीतर की उस दुनिया की ओर लौटेगा जिसे कोई मशीन पूरी तरह प्रतिस्थापित नहीं कर सकती।

आध्यात्मिकता का बाजार नहीं, आध्यात्मिकता का अनुभव

आध्यात्मिकता के बढ़ते बाजार ने एक नई समस्या भी पैदा की है। ध्यान, योग, माइंडफुलनेस और आध्यात्मिकता से जुड़े अनेक कार्यक्रम आज व्यावसायिक उत्पादों में बदल गए हैं।

यहां अंतर समझना आवश्यक है।

आध्यात्मिकता और आध्यात्मिकता का बाजार एक ही चीज नहीं है। एक ओर वह अनुभव है जो व्यक्ति को भीतर से बदलता है। दूसरी ओर वह व्यापार है जो परिवर्तन के अनुभव को पैकेज करके बेचता है।

अब लोगों का एक वां इस अंतर को समझने लगा है। वे पूछ रहे हैं—क्या यह वास्तव में ज्ञान है या केवल उत्पादक आकर्षक पैकेज? क्या यह साधना है या उपभोग की एक नई शैली? क्या यह आत्म-बोध की दिशा है या केवल आत्म-सुधार का नया उत्पाद?

यह प्रश्न आध्यात्मिकता के बाजार के प्रति मोहभंग का संकेत है, आध्यात्मिकता से दूरी का नहीं। ‘सात दिन में ज्ञान’ के वादों पर अविश्वास गहरी आध्यात्मिक अनुभूति किसी त्वरित कार्यक्रम का परिणाम नहीं होता। जीवन के मूल प्रश्नों के उत्तर समय मांगते हैं। ज्ञान केवल सूचना नहीं है। शांति केवल तनाव का अभाव नहीं है। ध्यान केवल आँखें बंद करने की प्रक्रिया नहीं है। आध्यात्मिकता केवल किसी कार्यक्रम में भाग लेना नहीं है।

वास्तविक परिवर्तन व्यक्ति के भीतर धीरे-धीरे होता है। कभी-कभी उसे वर्षों लगते हैं। कई बार व्यक्ति को अपने भीतर के अहंकार, भय, मोह, असुरक्षा और इच्छाओं को समझने में पूरा जीवन लग जाता है।

इसीलिए जब एक वां उन वादों से दूर जा रहा है जो कह रहे हैं—सिर्फ सात दिन में आपका जीवन बदल जाएगा।

वह अब त्वरित परिणाम नहीं, बल्कि गहरी यात्रा चाहता है। प्रामाणिक परंपराओं की ओर लौटता मनुष्य जब त्वरित समाधान असफल होते हैं तो मनुष्य अक्सर अपनी जड़ों की ओर लौटता है। यही कारण है कि आज दुनिया भर में प्राचीन ज्ञान परंपराओं, योग, ध्यान, वेदांत, बौद्ध दर्शन, सूफी चिंतन और अन्य आध्यात्मिक परंपराओं में रुचि बढ़ रही है।

इस रुचि का अर्थ अतीत की अंधी वापसी नहीं है। इसका अर्थ है कि आधुनिक मनुष्य यह समझने लगा है कि हर नया विचार जरूरी नहीं कि हर पुराने विचार से बेहतर हो।

कृष्ट सत्य समय के साथ पुराने नहीं होते। प्राचीन परंपराओं का महत्व इसी कारण है कि उन्होंने मनुष्य के उन्हीं प्रश्नों पर विचार किया है जो आज भी हमारे सामने हैं—मैं कौन हूं? दुख क्या है? इच्छा का स्वरूप क्या है? मृत्यु क्या है? जीवन का उद्देश्य क्या है? और मनुष्य शांति कैसे प्राप्त कर सकता है?

मौन का पुनर्जन्म

आज की दुनिया शोर से भरी हुई है। हर क्षण कोई सूचना, संदेश, वीडियो, समाचार या विज्ञापन हमारा ध्यान मांग रहा है। ऐसे समय में मौन स्वयं एक आध्यात्मिक अनुभव बनता जा रहा है।

लोग अब ऐसे स्थानों की तलाश कर रहे हैं जहां उनसे कुछ खरीदने को न कहा जाए। जहां उनकी उपस्थिति को किसी संख्या या डेटा में न मापा जाए। जहां उन्हें लगातार कुछ देखने, सुनने या करने के लिए प्रेरित न किया जाए।

यह मौन पलायन नहीं है। यह स्वयं से मिलने का अवसर है।

कभी-कभी मनुष्य को उत्तर पाने के लिए अधिक जानकारी की नहीं, बल्कि कुछ समय के लिए सारी जानकारी से दूरी की आवश्यकता होती है।

धीमापन: नई आध्यात्मिक क्रांति

हमारे समय की सबसे बड़ी आध्यात्मिक आवश्यकता शायद ‘और अधिक’

नहीं, बल्कि ‘थोड़ा धीमा’ होना है।

धीरे चलना। धीरे सोचना। धीरे सुनना। धीरे समझना। धीरे संबंध बनाना। और कभी-कभी बिना किसी लक्ष्य के केवल होना।

आधुनिक अर्थव्यवस्था हर चीज को तेज करना चाहती है। आध्यात्मिकता इसके विपरीत हमें ठहरना सिखाती है।

शायद यही कारण है कि आज धीमापन एक नई तरह की प्रतिरोध संस्कृति बन रहा है। यह उस व्यवस्था के विरुद्ध मौन प्रतिरोध है जो हर क्षण हमें अधिक करने, अधिक पाने और अधिक बनने के लिए प्रेरित करती है।

आध्यात्मिक यात्रा कहती है—कभी-कभी आपको कुछ और बनने की जरूरत नहीं है। आपको केवल अपने वास्तविक स्वरूप में लौटना है।

‘बेहतर मैं’ नहीं, ‘वास्तविक मैं’ की खोज

आधुनिक आत्म-सुधार का लक्ष्य था—अपने आप का बेहतर संस्करण बनना। नई आध्यात्मिक खोज का प्रश्न इससे अलग है—मैं वास्तव में कौन हूं?

यह अंतर बहुत गहरा है।

पहला प्रश्न व्यक्ति को लगातार भविष्य की ओर धकेलता है। दूसरा उसे वर्तमान में लौटाता है।

पहला कहता है—आप अभी पर्याप्त नहीं है। दूसरा कहता है—पहले स्वयं को समझिए।

पहला बाहरी उपलब्धियों पर जोर देता है। दूसरा आंतरिक सत्य पर।

यही बदलाव आध्यात्मिक खोज की शांत वापसी का सबसे महत्वपूर्ण संकेत है।

भारत और विश्व के लिए इसका व्यापक अर्थ

भारत की आध्यात्मिक परंपरा में आत्म-अन्वेषण कोई नया विचार नहीं है। यहां जीवन को केवल भौतिक उपलब्धियों की यात्रा नहीं माना गया, बल्कि आत्मबोध और चेतना के विकास की यात्रा भी माना गया।

आज दुनिया जिस संकट से गुजर रही है—अकेलापन, तनाव, उपभोक्तावाद, पर्यावरणीय संकट और मानसिक अशांति—उसके बीच भारतीय चिंतन की अनेक अवधारणाएं नए संदर्भ में प्रासंगिक हो रही हैं।

लेकिन यहां सावधानी भी आवश्यक है। भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं को केवल बाजार के नए उत्पादों में बदल देना उनके मूल स्वरूप को कमजोर कर सकता है।

इसीलिए आवश्यकता है कि आध्यात्मिक ज्ञान को फैशन नहीं, जीवन-दृष्टि के रूप में समझा जाए।

वास्तविक आध्यात्मिकता की पहचान वास्तविक आध्यात्मिकता शायद व्यक्ति को दूसरों से श्रेष्ठ नहीं बनाती, बल्कि उसे अधिक विनम्र बनाती है।

वह उसे अधिक उपभोग करने के लिए प्रेरित नहीं करती, बल्कि आवश्यकता और लालच के बीच अंतर समझाती है।

वह उसे दुनिया से भागने के लिए नहीं कहती, बल्कि दुनिया में रहते हुए अधिक सजग होकर जीना सिखाती है।

वह व्यक्ति को अधिक प्रदर्शनकारी नहीं, बल्कि अधिक शांत बनाती है।

और सबसे महत्वपूर्ण बात—वास्तविक आध्यात्मिकता व्यक्ति को किसी बाहरी प्रमाण की आवश्यकता से मुक्त करती है। उसे यह साबित करने की जरूरत नहीं रहती कि वह कितना आध्यात्मिक है।

क्योंकि जहां आध्यात्मिकता का प्रदर्शन समाप्त होता है, वहीं शायद उसकी वास्तविक शुरुआत होती है।

यह वापसी पीछे जाने की नहीं, भीतर जाने की है आध्यात्मिक खोज की यह शांत वापसी किसी एक धर्म, समुदाय या विचारधारा तक सीमित नहीं है। यह आधुनिक मनुष्य की उस गहरी बेचैनी का उत्तर है जो वर्षों से बाहरी दुनिया में समाधान खोजती रही है।

मनुष्य ने बाजार को आजमा लिया। उसने तकनीक को आजमा लिया। उसने उत्पादकता को आजमा लिया। उसने आत्म-सुधार के अनगिनत मॉडल आजमा लिए। अब वह शायद उस प्रश्न की ओर लौट रहा है जिससे उसकी यात्रा शुरू हुई थी—मैं कौन हूं और मुझे वास्तव में चाहिए क्या?

यह वापसी किसी पुराने युग में लौटने की नहीं है। यह स्वयं की ओर लौटने की है।

शायद आने वाले समय की सबसे बड़ी आध्यात्मिक क्रांति किसी नए गुरु, नए ऐय या नए कार्यक्रम से नहीं आएगी। वह उस क्षण से शुरू होगी जब मनुष्य अपने भीतर उठती एक सरल आवाज को सुनना शुरू करेगा।

वह आवाज कहेगी—

रुकिए। थोड़ा शांत हो जाइए। दुनिया को बदलने से पहले स्वयं को सुनिए। और स्वयं को बेहतर बनाने की दौड़ से बाहर निकलकर, एक बार स्वयं से मिलिए। क्योंकि अंततः मनुष्य की सबसे बड़ी यात्रा बाहर की दुनिया को जीतने की नहीं, अपने भीतर के उस सत्य तक पहुंचने की है, जिसे उसने दुनिया की चमक में कहीं पीछे छोड़ दिया था।

और शायद यही है—आध्यात्मिक खोज की शांत वापसी।

कांग्रेस देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है : किरण देव

भाजपा रायपुर जिला इकाई द्वारा कांग्रेस कार्यालय घेराव

रायपुर 22 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की रायपुर जिला इकाई ने आज बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री आवास के घेराव के विरोध में कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश में अराजकता का वातावरण बनाने का प्रयास कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने राहुल गांधी से सवाल किया कि आखिर वह चाहते क्या हैं? जिस तरीके से बांग्लादेश में अराजकता का माहौल बना हुआ था, हमारे देश में भी राहुल गांधी अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता अभद्र भाषा व अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। संविधान की हत्या खुद करते हैं और संविधान की किताब लेकर दिखाते घूमते हैं। प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का प्रयोग करने की अमर्यादित राजनीति देखने को कहीं नहीं मिलेगी। श्री देव ने कहा कि देश के युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने का काम कांग्रेस कर रही है, उनके आंदोलन को गलत तरीके से राजनीतिक रंग दे रही है। छत्तीसगढ़ में भूपेश शासनकाल में पीएससी घोटाला कर अपने भाई-भातियों को पोषित करने का काम तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने किया था और लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं को भेजकर आंदोलन कर रहे लोगों को भड़काने का इलाकों में यातायात व्यवस्था पूरी तरह भगवान भरसे चल रही है। अदालत ने पाया कि औद्योगिक क्षेत्रों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर 10 टन की क्षमता वाले वाहनों में 22 से 25 टन तक मात लादा जा रहा है और वजन जांचने वाली वेडेंग मशीनें लंबे समय से बंद पड़ी हैं। इसके अलावा सड़कों पर ट्रकों की अनेक संख्याएं अकेले रायपुर जिले में चिन्हित कर दी रही है।

अदालत में प्रस्तुत प्रदेश के 10 सबसे खतरनाक ‘ब्लैक स्पॉट्स’ (अस्थायिक दुर्घटना संभावित क्षेत्र) की सूची ने राजधानी रायपुर की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कुल 10 में से 7 ब्लैक स्पॉट्स अकेले रायपुर जिले में चिन्हित किए गए हैं।

देश और प्रदेश की सरकारें युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही हैं : विधायक रोहित वोहरा

धौलपुर में कांग्रेस का विशाल प्रदर्शन नीट पेपर लोक और लाठीचार्ज के विरोध में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पुतला दहन



धौलपुर (निज संवाददाता)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC) के अध्यक्ष गोविंद डोटासरा के निर्देशानुसार नीट (NEET) पेपर लोक मामले और दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए अलोकतांत्रिक लाठीचार्ज के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी धौलपुर द्वारा जिला कलेक्ट्रेट के सामने विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पुतला दहन किया गया ।इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष विधायक राजखेड़ गेहिल वोहरा जिला अध्यक्ष विधायक संजय कुमार जाटव ने किया ।प्रदर्शन के दौरान सभा को संबोधित करते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कोषाध्यक्ष एवं राजखेड़ विधायक गेहिल वोहरा ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश की सरकारें युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। नीट जैसी परीक्षाओं में पेपर लोक होना और उसके खिलाफ आवाज उठाने वाले देश के युवाओं व छात्रों पर दिल्ली में पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया जाना सरकार की दमनकारी

नीतियों को बेनकाब करता है। कांग्रेस पार्टी युवाओं के इस संघर्ष में उनके साथ मजबूती से खड़ी है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विधायक संजय कुमार जाटव ने विशाल धरना विरोध प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए कहा कि कई छात्रों की आवाज उठाना कोई अपराध नहीं बल्कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि का संवैधानिक दायित्व है जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विधायक संजय कुमार जाटव ने कहा कि सरकार की तानाशाही लोकतंत्र मूल्यों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है लोकतंत्र की असली ताकत संवाद समिति के सम्मान और जनता की आवाज सुनने में होती है ना कि उसे दबाने में उन्होंने कहा कि यदि जनता के मुड़े उठने पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को हिरासत में लिया जाता है तो यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं और संविधान की भावनाओं को लेकर गंभीर चिंजन पैदा करता है लोकतंत्र में आवाज दवाई नहीं जाती सुनी जाती है संविधान का सम्मान ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है संबोधन में आगे कहा कि देश में नीट पेपर सहित 150 से अधिक पेपर लोक हो गए परंतु सरकार ने अभी तक कोई जिम्मेदारी

तय नहीं की है उन्होंने प्रधानमंत्री से धर्मेद प्रधान शिक्षा मंत्री भारत सरकार को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर आवाज उठाने वालों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया जा रहा है जो निन्दनीय है अलोकतांत्रिक कदम है ।इस विरोध प्रदर्शन में प्रदेश पदाधिकारी जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी ब्लॉक अध्यक्ष नगर अध्यक्ष सभी अग्रिम संगठनों एवं विभागों के अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष बृथ अध्यक्ष पार्षदांग विभिन्न जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए प्रमुख रूप से संगठन महासचिव शांति बहिरा शर्मा पूर्व प्रधान लाखन सिंह खिखेर प्रदेश सचिव धर्मेन्द्र शर्मा अमित मुद्गल पूर्व प्रधान धर्मेन्द्र दिनकर राजकुमार तोमर प्रधान प्रतिनिधि नगेश कुशवाहा पूर्व प्रधान मोनू जादौन कांग्रेस कमेटी जिला अनुसूचित जाति विभाग जिला अध्यक्ष लीना शर्मा सेवादल अध्यक्ष समृद्धि दीक्षित एनएसयूआई जिला अध्यक्ष गौव पोसवाल अनुसूचित जाति विभाग जिला अध्यक्ष लाल जाटव धौलपुर ब्लॉक अध्यक्ष उमर फारूक शिवबू लोधा राजेंद्र पोसवाल राजेंद्र निषाद

सरपंच रामेंद्र मीणा रविंद परमार रघुवीर मीणा जिला उपाध्यक्ष गोरैलाल कुशवाहा पंकज तिवारी ओ वी सी विभाग अध्यक्ष सोनू यादव योगेश शर्मा शालिनी शर्मा महावीर सरपंच नेमीचंद कुशवाहा यंग ब्रिगेड सेवा दल परवेश पठान बैजवंती देवी वीनेश राजकुमारी कोषाध्यक्ष रामज गोग्ल जिला उपाध्यक्ष अनीश खान रामवीर पोसवाल इसरार खान योगेश अग्रवाल अनिल ओरेला जिला उपाध्यक्ष महेश कुमार ओमप्रकाश मीणा पर्यावरण प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष महासचिव सेवादल अभिषेक यादव लाखन सिंह कुशवाहा अविनाश शास्त्री जिला उपाध्यक्ष रथामू पंडित संजय बघेल राजेश सैफी दीपक सक्सेना पवन सरपंच मनिषा राम सिंह गुर्जर मनिषा जैकी बंसल प्रभु दयाल लोधी मोहन प्रकाश त्यागी धीरज सोनी विशाल मनिषा शहराख खान अमन कुमारस हित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद रहे संचालन प्रवक्ता धनेश जैन ने किया

धौलपुर पुलिस का महिला सुरक्षा संकल्प अभियान स्कूल-कॉलेज में कानून साइबर ठगी और आत्मरक्षा की दी गई जानकारी

धौलपुर (निज संवाददाता)। महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित सशक्त एवं जागरूक बनाने के उद्देश्य से संचालित महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत धौलपुर पुलिस द्वारा जिलेभर में व्यापक जन जागरूकता गतिविधियाँ निरंतर संचालित की जा रही हैं। पुलिस अधीक्षक धौलपुर विकास सांगवान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिकाऊ प्रकोष्ठ हवा सिंह के सुपरविजन में जिले के समस्त पुलिस थानों महिला पुलिस अधिकारियों कालिका यूनिट एवं पुलिस टीमों द्वारा विद्यालयों महाविद्यालयों कॉचिंग संस्थानों औद्योगिक इकाइयों संसर्जनिक स्थलों तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान महिलाओं बालिकाओं एवं छात्र छात्राओं को भारतीय न्याय संहिता (ब्रह्म) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ब्रह्मस्ट) महिला एवं बाल संरक्षण संबंधी विधिक प्रावधानों लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम (POCSO Act) घरेलू हिंसा अधिनियम कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उन्पीड़न की रोकथाम संबंधी कानून तथा साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जा रही है।इसके साथ ही महिलाओं एवं छात्राओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक उपाय डिजिटल सुरक्षा सोशल मीडिया का सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी फर्जी लिंक ओटीपी वयूआर कोड डिजिटल



अरेस्ट फर्जी निवेश सोशल मीडिया ब्लैकमेलिंग एवं साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों से बचाव के संबंध में तकनीकी जानकारी प्रदान की जा रही है। पुलिस अधिकारियों एवं महिला पुलिसकर्मियों द्वारा संवादात्मक सत्र आयोजित कर उपस्थित महिलाओं एवं छात्राओं को बताया जा रहा है कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, पीछा करना (Stalking), घरेलू हिंसा, साइबर अपराध ब्लैकमेलिंग उन्पीड़न अथवा किसी अन्य अपराध की स्थिति में बिना किसी भय या संकोच के तत्काल पुलिस से संपर्क करें। उन्हें आपातकालीन सहायता हेतु 112, महिला हेल्पलाइन साइबर हेल्पलाइन 1930, निक्टटम पुलिस थाना एवं साइबर पुलिस थाना धौलपुर की सेवाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक

करते हुए अपराध की रिपोर्टिंग के महत्व साक्ष्यों के संरक्षण त्वरित पुलिस सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से सुरक्षित वातावरण विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही समाज के प्रत्येक नागरिक से महिला सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया जा रहा है। धौलपुर पुलिस का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा की भावना आत्मविश्वास एवं विधिक जागरूकता को सुदृढ़ करना साइबर एवं सामाजिक अपराधों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा जनसहभागिता के माध्यम से महिला सुरक्षा को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करना है। यह अभियान जिलेभर की निरंतर संचालित रहेगा जिससे प्रत्येक महिला एवं बालिका स्वयं को सुरक्षित सम्मानित एवं सशक्त महसूस कर सके।

राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय धौलपुर द्वारा अंगदान जागरूकता रैली का आयोजन



आमजन को जागरूक किया तथा उन्हें मृत्यु उपरांत अंगदान करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने समाज में यह संदेश प्रसारित किया कि अंगदान महानदान है, जो अनेक जरूरतमंद लोगों को नया जीवन प्रदान कर सकता है।

इस अवसर पर गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग धौलपुर की प्राचार्या श्रीमती नीलम सिंह ने

धौलपुर (निज संवाददाता)। राजस्थान सरकार के उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय धौलपुर द्वारा अंगदान के प्रति जन-जागरूकता एवं जन-प्रेरण के उद्देश्य से बुधवार को एक भव्य अंगदान जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ जिला कलेक्ट्रेट से हुआ तथा इसका समापन गांधी पार्क में किया गया। रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा एवं उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतनम मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के दौरान राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय धौलपुर के छात्र-छात्राओं ने अंगदान के महत्व से संबंधित प्रेरणादायक नारों के माध्यम से

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अंगदान के महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है तथा प्रत्येक नागरिक को इसके प्रति जागरूक होकर समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में मोहर सिंह मीणा नितिन कुमार दीक्षित सुमित कुमार भारद्वाज नीरज कुमार भामोरिया नीलम मीणा जय व्यास वीरेंद्र यादव प्रदीप कुशवाहा सहित राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय धौलपुर के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। रैली के माध्यम से आमजन में अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करने का सफल प्रयास किया गया।

जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल जी ने पशुपालन विभाग के वाहनों को हरी झंडी दिखाकर अभियान का किया शुभारंभ 49 टीमों गांव-गांव जाकर 6.22 लाख से अधिक पशुओं का करेंगी निशुल्क टीकाकरण 22 जुलाई से 8 सितंबर तक चलेगा एफएमडी टीकाकरण अभियान, डॉ. विपिन कुमार

आगरा (निज संवाददाता)। खुरपका-मुँहपका रोग (एफओएमडी0डी0 सी0पी0) के नियंत्रण हेतु निशुल्क टीकाकरण की शुरुआत श्री मनीष बंसल, जिलाधिकारी महोदय एवं श्रीमती प्रतिभा सिंह, मुख्य विकास अधिकारी महोदया तथा डा0 डी0के0 पाण्डेय, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आगरा द्वारा कलेक्ट्रेट आगरा के प्राणन से पशुपालन विभाग के वाहनों को



हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की गयी। पशुओं में टीकाकरण कार्य हेतु 49 टीमों पशुपालन विभाग द्वारा बनायी गयी है जोकि गांव-गांव जाकर पशुओं में निशुल्क टीकाकरण करेगी। टीकाकरण हेतु 622150 खोज टीका जनपद आगरा को प्राप्त हो चुका है। टीकाकरण आज दिनांक 22.07.2026

से शुरू होकर दिनांक 08.09.2026 तक कुल 45 दिन चलेगा। टीकाकरण कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु डा0 विपिन कुमार, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। खुरपका-मुँहपका (एफएमडी) टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 04 माह से



धौलपुर (निज संवाददाता)। खाद्य मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रदत्त निर्देशों की पालना में जिले में संचालित सभी मैरिज गार्डन सामुदायिक भवन विवाह स्थलों व

व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों को सूचित किया जाता है कि वे व्यावसायिक वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए केवल व्यावसायिक कर्मशियल गैस सिलेण्डरों का ही उपयोग करें।

धौलपुर में मैरिज गार्डन और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को चेतावनी घरेलू सिलेंडर पर होगी कानूनी कार्रवाई और लाइसेंस निरस्त

विभाग द्वारा किये जाने वाले निरीक्षण के दौरान यदि कोई मैरिज गार्डन सामुदायिक भवन या व्यावसायिक प्रतिष्ठान घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत दवित पेट्रोलियम गैस

प्रदाय और वितरण विनियमन आदेश, 2000 सुसंगत प्रावधानों के तहत सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही संबंधित मैरिज गार्डन सामुदायिक भवन व व्यावसायिक प्रतिष्ठान का लाइसेंस निरस्त किये जाने हेतु संबंधित

स्थानीय निकाय को लिखा जाएगा अतः सभी संबंधित संचालक घरेलू गैस सिलेण्डरों के दुरुपयोग से बचें तथा व्यावसायिक प्रयोजन हेतु किए जा रहे दुरुपयोग को तत्काल प्रभाव से रोकते हुए नियमों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करें।

अत्याधुनिक खगोलीय प्रयोगशाला का बालिका विद्यालय धौलपुर में हुआ शुभारंभ



इस्कॉन इंटरनेशनल लिमिटेड नई दिल्ली एवं वाईई के सौजन्य से बनाई अत्याधुनिक लैब

आशान्वित जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा सभी सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन के लिए निर्देश

धौलपुर (निज संवाददाता)। आशान्वित जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं निर्धारित सूचकांकों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के सभी प्रमुख संकेतकों में सुधार लाने के लिए विभागीय स्तर पर समन्वय के साथ प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य पोषण कृषि पेयजल आधारभूत सुविधाओं एवं अन्य विकाससात्व क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित कर आमजन को योजनाओं का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन सूचकांकों में प्रगति अपेक्षाकृत कम है, उनमें विशेष प्रयास करते हुए समन्वय लक्ष्य प्राप्त किए जाएं। साथ ही योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग कर प्रगति की समीक्षा की जाए ताकि जिले का प्रदर्शन और अधिक बेहतर हो सके बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-



अपने विभाग की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा आगामी कार्ययोजना से जिला कलक्टर को अवगत कराया। जिला कलक्टर ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आशान्वित जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम के लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करने के

निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद बबली राम जाट मुख्य आयोजना अधिकारी मनोज कुमार सिंघल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद बबली राम जाट मुख्य आयोजना अधिकारी मनोज कुमार सिंघल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वायरल वीडियो पर दतिया उपचुनाव में सियासत तेज

कांग्रेस पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

दतिया के विकास को फिर गति देंगे, जनता सेवा का अवसर दे : भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी



दतिया (निज संवाददाता)। दतिया विधानसभा उपचुनाव के बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने चुनावी माहौल गरमा दिया है। वायरल वीडियो बड़ौनी क्षेत्र का बताया जा रहा है, जहाँ कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में जनसंपर्क कर रहे थे। वीडियो में एक युवक कथित तौर पर यह कहते सुनाई देता है कि वह 'लट्टु से वोट डलवाएगा, मारपीट करेगा और लोगों को पकड़कर वोट डलवाएगा।' इसके बाद मंत्री द्वारा युवक की पीठ थपथपाने का दृश्य भी दिखाई देता है। हालाँकि, इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और भाजपा की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया

सामने नहीं आई है। बुधवार को कांग्रेस की प्रेसवार्ता में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने वीडियो का हवाला देते हुए भाजपा पर लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि डर और दबाव की राजनीति स्वीकार्य नहीं है तथा कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से मुकाबला करेंगे। सज्जन सिंह वर्मा ने दिल्ली में नीट पेपर लोक मामले को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और राहुल गांधी व प्रियंका गांधी की हिरासत की भी आलोचना की। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मद प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए भाजपा पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया।

दतिया (निज संवाददाता)। दतिया विधानसभा उपचुनाव के तहत भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने बुधवार को बड़ौन कलां, गुलियापुर, बडेय, उपरय, डबराबाग, सहपुरा, बामरोल, रेपुर, नंदपुर, सीतापुर, पहाड़ी, गढ़ी, डोंगरपुर, महुआ, कुम्हेणी, लिथोरा, केवलारी, झड़िया सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों तथा दतिया नगर के वार्ड क्रमांक 27, 34 और 35 में जनसंपर्क कर जनता से समर्थन और आशीर्वाद मांगा। इस दौरान उन्होंने नुक्कड़ सभाओं को भी संबोधित किया। आशुतोष तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना से कार्य करती है, जबकि कांग्रेस की राजनीति व्यक्ति और परिवार विशेष तक सीमित रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने दतिया में एयरपोर्ट, सड़कें, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और जनजातीय छात्रावास जैसे अनेक विकास कार्य कराए, लेकिन पिछले छह वर्षों में कांग्रेस इन कार्यों को आगे नहीं बढ़ा सकी। भाजपा प्रत्याशी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस अब 'डूबता हुआ जहाज' बन चुकी है, जबकि भाजपा के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित मजबूत और अनुभवी नेतृत्व है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें जनता का सेवक बनाकर भेजा है और वे क्षेत्र की सेवा में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने मतदाताओं से वादा किया कि उनकी एक आवाज पर वे हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे और दतिया के विकास को नई गति देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पहले भी विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रखी थी और आगे भी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम किया जाएगा। जनसंपर्क अभियान के दौरान विभिन्न गांवों और वार्डों में आशुतोष तिवारी का युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी चुनाव प्रचार को लेकर उत्साह दिखाते हुए अधिकाधिक मतदान की अपील की।



दतिया के विकास के लिए भाजपा प्रत्याशी को जिताएं : भारत सिंह कुशवाह

संविधान बचाने कांग्रेस को जिताएं, तीसरी पार्टी को वोट न दें : घनश्याम सिंह



दतिया (निज संवाददाता)। दतिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार अभियान के तहत भाजपा के चुनाव प्रभारी एवं ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह ने बुधवार को डोंगरपुर, बानौली, बरोह,

महुआ, कुम्हेड़ी, केवलारी, झड़िया, रिछरा सहित दतिया नगर के विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क कर नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के पक्ष में

मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि यह चुनाव सरकार बदलने का नहीं, बल्कि दतिया के रुके हुए विकास कार्यों को दोबारा गति देने का चुनाव है। भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि पिछले छह वर्षों से दतिया विधानसभा क्षेत्र के कई विकास कार्य ठप पड़े हैं। यदि विधायक सत्ता पक्ष का होगा तो क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए दतिया को भी इसका पूरा लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस बूढ़े वादी और प्रलोभनों की राजनीति करती है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में किसानों की कर्जमाफी का वादा किया गया, लेकिन सरकार बनने के बाद उसे पूरा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनाव के समय जनता को भ्रमित करने का प्रयास करती है, इसलिए मतदाताओं को ऐसे वादों से सावधान रहना चाहिए। सांसद कुशवाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब परिवार से निकलकर देश का नेतृत्व किया है, इसलिए वे गरीबों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने समाज के हर वर्ग के हित में काम किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा सामान्य परिवारों से आने वाले लोगों को भी नेतृत्व का अवसर देती है। जनसंपर्क के दौरान गांव-गांव में भारत सिंह कुशवाह का स्वागत किया गया। उन्होंने लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए दतिया विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की।



दतिया (निज संवाददाता)। दतिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने बुधवार को पल्लोथर, जिमना सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों में जनसंपर्क कर मतदाताओं से समर्थन मांगा। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नहीं चाहती कि

बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की चर्चा हो और उसका एजेंडा संविधान को कमजोर करना है। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस को जिताना जरूरी है। साथ ही उन्होंने मतदाताओं से तीसरी पार्टी को वोट न देने की अपील करते हुए कहा कि ऐसे उम्मीदवार केवल

वोट काटने के लिए चुनाव मैदान में उतरते हैं। वरिष्ठ नेता अक्वैश नायक ने कहा कि घनश्याम सिंह क्षेत्र के पुराने और परखे हुए जनसेवक हैं। जनसंपर्क के दौरान घनश्याम सिंह ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया।

वाहन चेकिंग में स्कूटी से रु. 3.30 लाख नकद बरामद, जांच शुरू

दतिया (निज संवाददाता)। विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर चल रही सघन वाहन चेकिंग के दौरान गायत्री गार्डन के पास गोरघाट थाना पुलिस ने स्कूटी की डिग्री से २3.30 लाख नकद बरामद किए। उप निरीक्षक अर्चना पाल की टीम ने स्कूटी क्रमांक स्कू32१ 3524 की जांच की, जिसमें नकदी मिली। चालक दतिया निवासी है और मौके पर राशि से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने नकदी जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।



12 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न, 35 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित

- पेपर कवर लिफाफा व फाइल मैकिंग प्रशिक्षण का हुआ समापन

जिला ब्यूरो - संगीता गुसा



भिण्ड (निज संवाददाता)। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के निदेशन में रोजगारेमुखी कौशल उन्नयन कार्यक्रम के अंतर्गत 8 से 21 जुलाई तक संचालित 12 दिवसीय पेपर कवर लिफाफा व फाइल मैकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन गरिमायम वातावरण में आयोजित किया गया। 12 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पेपर कवर लिफाफा व फाइल मैकिंग बनाने की विधि, शारीरिक दक्षता, व्यक्तिगत विकास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रसेवा की भावना तथा टीम भावना से संबंधित विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन अवसर पर प्रशिक्षक कोर्ति शर्मा ने प्रतिभागियों के अनुशासन, समर्पण एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सरहना करते हुए कहा कि प्रशिक्षण

योजना युवाओं के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर असेसर रमन भदौरिया द्वारा प्रशिक्षण में सम्मिलित 35 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। साथ ही प्रशिक्षण अतिथि के दौरान आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में विभागीय अधिकारी, प्रशिक्षण से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी, प्रशिक्षकगण तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

राहुल-प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, केन्द्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

श्योपुर। दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी के विरोध मंगलवार रात श्योपुर में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मांगीलाल फौजी के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता गांधी पार्क से रैली निकालते हुए जय स्तंभ पहुंचे, जहां सड़क पर बैटनकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के बाहर नीट पेपर लोक, शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में शांतिपूर्ण धरना दे रहे थे। ऐसे लोकतांत्रिक विरोध के दौरान उनकी गिरफ्तारी को कांग्रेस ने विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास बताया।

जिलाध्यक्ष मांगीलाल फौजी ने कहा कि देशभर के लाखों छात्र पेपर लोक जैसी घटनाओं से प्रभावित हुए हैं और युवाओं का भविष्य दांव पर लगा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इन गंभीर मुद्दों पर जवाब देने के बजाय विरोध की आवाज उठाने वालों पर कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने कहा कि नीट पेपर लोक देश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा अत्यंत गंभीर मामला है। साथ ही उन्होंने बढ़ती बेरोजगारी को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरे हुए कहा कि युवा रोजगार पर प्रदर्शन परीक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, नीट पेपर लोक मामले की निष्पक्ष जांच तथा शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग उठाई। साथ ही केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराते हुए राष्ट्रपति शासन लागू करने की भी मांग की।

गांधी पार्क से जय स्तंभ तक निकली रैली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हथों में तखियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए और लोकतंत्र तथा छात्रों के अधिकारों की रक्षा की बात कही। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए क्षेत्र में राजनीतिक



माहौल गर्म रहा। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मांगीलाल फौजी सहित

बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई तथा पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्रांति ने अपनी प्रतिभा के दम पर दुनिया में बढ़ाया भारत का मान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हमारी बेटियाँ किसी से कम नहीं, क्रांति लेकर आई हैं प्रदेश में खेल क्रांति
लाईस के प्रतिष्ठित टेस्ट ऑनर्स बोर्ड पर नाम दर्ज कराने वाली पहली महिला क्रिकेटर हैं सुश्री क्रांति गौड़

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मप्र की स्तार क्रिकेटर सुश्री क्रांति गौड़ को दी 5 लाख रुपए सम्मान राशि
मुख्यमंत्री निवास में हुआ क्रिकेटर सुश्री क्रांति का भव्य सम्मान समारोह



क्रांति प्रदेश में नई खेल क्रांति लेकर आई हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मप्र शासन की ओर से लार्ड्स के 'टेस्ट क्रिकेट्स बोर्ड' पर अपना नाम दर्ज कराने वाली देश की पहली महिला क्रिकेटर सुशी क्रांति गौड़ को तीन लाख रुपये का चेक और स्पोर्ट्स विवर देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लार्ड्स के ऐतिहासिक क्रिकेट ग्राउंड पर बुलुलखण्ड की गौरव सुशी क्रांति गौड़ के सात विन्ड लेजर बेहतरीन प्रदर्शन की निशान पंक्तियों से सराहना की तथा क्रांति को इस बड़ी उपलब्धि के लिए अपनी ओर से दो लाख रुपये की सम्मान राशि का चेक भी सौंपा।

परिवार के सपो
पहनना : सुश्री गौड़

क्रिकेटर सुश्री क्रांति गौड़ ने क्रिकेट खिलाड़ियों एवं मगर खेल अकादमी के युवा खिलाड़ियों से संवाद भी किया। अंतर्राष्ट्रीय

क्रिकेट खिलाड़ी सुशीरा गायक ने कहा कि उन्होंने वचनपन में अनेक संघर्षों के बीच वय तक लीया था कि उन्हें टान इंडिया की ब्ू संस्था में पहचानी है। बुद्वेदधुध के एक छ्ठे ठेके से गांव से क्रिकेट के अंतर्राष्ट्रीय मच तक की यात्रा माता-पिता और परिवार के सहयोगाे वय संस्थान के बिना पूरी नही होने सकती थी। सुशीरा क्रांति ने कहा कि उनके सपने को पूरा करने के लिए परिवार ने बारिश के मौसम में भी टपकते टपकते के नीचे और रसोई में राशन नहीं होने जैसे मुश्किल दिन भी गुजारे हैं। अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए उन्होंने टान लिया था कि अब कुछ भी हो देसा और अपनों के लिए कुछ कर गुजरना है।

कार्यक्रम में खेल एवं युवक कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, खेल सचिव श्री संजीव सिंह, संचालक खेल एवं युवक कल्याण श्री अंशुमान सिंह यादव सहित खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी भी उपस्थित थे।

राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाना जागरूक नागरिक की पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव



मुख्यमंत्रि डॉ. यादव से विधानसभा में मिले आगर-मालवा और जबलपुर के मेधावी विद्यार्थी विधानसभा सत्र की कार्यवाही देखी, शासकीय प्रक्रियाओं से हुए अवगत

को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है। सरकार कैसे काम करती है, नियम-कानून कैसे बनाये जाते हैं, संसदीय परम्पराएं क्या होती हैं, विधानसभा यह सब जानने-सोझने का सबसे उत्तम विद्यालय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकारों में प्रदेश के विकास में युवाओं की संस्थागत बढ़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मध्यप्रदेश विधानसभा में स्थित समीक कक्ष क्रमंक-1 में स्कूली बच्चों से संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री से विधानसभा के मानसून-साल का कार्यवाही देखने आए आगर-मालवा जिले के विभिन्न अंचलों के 50 से

मुख्यमंत्री डॉ. यादव चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में होंगे शामिल
अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को देंगे श्रद्धांजलि, किसानों से करेंगे संवाद
340 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की देंगे सौगात



मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिले में 287.32 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन और 53.55 करोड़ की लागत के कार्यों की देंगे सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने प्रस्तावित आलीराजपुर प्रवास के दौरान जिले को विकास कार्यों की बड़ी सौगात देंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों के लगभग 287.32 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इन विकास कार्यों में लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय झंडा अंगीकरण दिवस की दी बधाई

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय झंडा अंगीकरण दिवस की देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि तिरंगा हमारी एकता, अखंडता, स्वाभिमान और राष्ट्रपौरव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय झंडे के सम्मान और राष्ट्रसेवा के अपने संकल्प को सदैव सुदृढ़ बनाए रखना हमारा कर्तव्य है।

र विराट कोहली ने पत्नी अनुष्का संग गुरु
से पहले प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए



कोहली और उनकोहीनी अनुष्का अपने गुरु का आशीर्वाद लेने आज मधुपुर पहुंचे। उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें गुरु कोहली जादू करते हैं और व्हडलै एंट में नजर आ रहे हैं, जबकि अनुष्का भार्या व्हडलै और ब्लू रंग के सूट में दिखाई दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि व्हडलै कोहली पिछले कुछ साल से समय-समय पर संत प्रेमानंद जी महाराज के दरबार में जाने वृंदान करने आ रहे हैं। २०१८-१९ वर्ष का जीतने के बाद, आईपीएल खिताब जीतने के बाद और कई महत्वपूर्ण क्रिकेट सीरीज से पहले या बाद में भी वह बार-बार आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं। माना जाता है कि व्हडलै और अनुष्का आध्यात्मिक जीवन को काफ़ी महत्व देती हैं और अपने गुरु से मार्गदर्शन प्राप्त करते रहती हैं। दोनों की धार्मिक आस्था और सदाग्रीह अक्सर फैस के बीच चर्चा का विषय बनी रहती हैं।

अन्यत्र ग्रामीण संस्कृति यांचा काय संनिधान, जनजातीत कार्य विभाग के मजदूर हाई स्कूल भवन, जल संसाधन विभागा के बैरंग निमाण, नवीनश्री पंचिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के विद्युत उपकेंद्र, प्रधानमंत्री कोलेज ऑफ एग्रीकल्चर के नवीनीकरण आरंभ एवं नव-निमाण कार्य सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा अन्य विभागों के विभिन्न निमाण कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से जिले में मंडूक संस्कृति, शिखा, सिंघाई, इस्ते आधोसंरचना तथा ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी। इस्ते साथ ही वे त्यागभा 53.55 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए विभिन्न निमाण एवं आधारभूत संरचना विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पित होने वाले कार्यों में विद्युत विभाग के नवीन 33/11 केवी उपकेंद्र, शिखा विभाग के विद्यालय भवन, महिला एवं बाल विकास विभाग के अटल सेवा केंद्र, पुर्लिया, स्टॉप पैन्, निस्तार तालब, आरामसरस, नाटि एवं पंचर ब्लॉक सहित अन्य ग्रामीण अधोसंरचना से जुड़े कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इन्सुएंसर्स टॉक कार्यक्रम में करेंगे सीधा संवाद

बलराम कृषि महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स से सीधा संवाद कर कृषि, जनजातीय संस्कृति, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों, प्राकृतिक खेती, ग्रामीण नवाचार जैसे विषयों पर उनके अनुभव जानेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय झंडा अंगीकरण दिवस की दी बधाई

